राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 19 जनवरी 2026 वर्ष-8,अंक-323 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भारत-अमेरिकी साझेदारी लगातार आगे बढ़ रही: सर्जियो

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने मुंबई दौरे के दौरान सीएम फडणवीस समेत कई दिग्गजों से की मुलाकात

नई दिल्ली। अमेरिका में भारत के राजदूत सर्जियो गोर ने अपने पहले मुंबई दौरे का सफलतापूर्वक समापन किया। इस दौरान उन्होंने राजनीति, उद्योग, बैंकिंग और व्यापार जगत की कई प्रमुख हस्तियों से मुलाकात कर भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। गोर ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भारतीय रिजर्व बैंक (आइबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन से महत्वपूर्ण बैठकें कीं। मुंबई दौरा पूरा होने के बाद अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने लिखा, मुंबई का बहुत सफल दौरा समाप्त हुआ। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी, टाटा के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन, भारत के फार्मा सेक्टर के वरिष्ठ अधिकारी और धार्मिक नेताओं के साथ शानदार बैठकें रहीं। व्यापार, तकनीक, शिक्षा, ऊर्जा और मजबूत सप्लाई चेन के क्षेत्रों में हम मजबूत गति बना रहे हैं, क्योंकि अमेरिका-भारत साझेदारी लगातार आगे बढ़ रही है। गौरतलब है कि सर्जियो गोर ने अपने मुंबई दौरे की शुरुआत अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से की थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा था, कि मुंबई में अपने पहले दौरे की शुरुआत दूतावास से करना उनके लिए उत्साहजनक है और यहां की टीम अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ हुई बैठक को दोनों देशों के लिए अहम माना जा रहा है। इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए गोर ने लिखा कि सीएम फडणवीस के साथ उनकी बैठक बेहद सकारात्मक रही। इसमें व्यापार और निवेश, एंटरटेनमेंट, तकनीक, मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अमेरिका और महाराष्ट्र के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष मिलकर कई बड़े अवसरों पर काम कर सकते हैं।

राजस्थान में हजारों पंच-सरपंचों के दोबारा चुनाव लड़ने पर लग सकती है रोक

-जिन उम्मीदवारों ने अब तक चुनाव खर्च का ब्योरा नहीं दिया उन पर होगा एक्शन

जयपुर। पिछले पंचायत चुनाव में खर्चे का ब्योरा नहीं देने वाले पंच-सरपंचों के दोबारा चुनाव लड़ने पर रोक लग सकती है। राज्य चुनाव आयोग ऐसे उम्मीदवारों की सूची मंगाने के लिए जिला कलेक्टरों के दिशा-निर्देश जारी कर सकता है। आयोग के नियमों के मुताबिक चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों को खर्च का विवरण देना जरुरी है। ऐसा नहीं करने पर तीन साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लग सकती है। प्रदेश में मार्च-अप्रैल में पंचायती राज चुनाव होना हैं। हाल ही में आयोग ने चुनावी खर्च सीमा भी बढ़ा दी है। बता दें साल 2020 में 21 जिलों की 636 जिला परिषद सदस्यों व 4371 पंचायत समिति सदस्यों के लिए चुनाव कराए गए थे। पंचायत समिति सदस्य के लिए 12,663 व जिला परिषद सदस्य के लिए 1778 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। राज्य चुनाव आयोग के सूत्र बताते हैं कि उस चुनाव में जिन उम्मीदवारों ने रिजल्ट आने के बाद खर्च का ब्योरा नहीं दिया है, उनकी सूची तैयार की जाएगी। नियमानुसार जिला परिषद, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया, सरपंच, पंच और वार्ड सदस्य पद के लिए चुनाव लड़ने वाले हर प्रत्याशियों को रिजल्ट जारी होने के 15 दिनों के अंदर अपने खर्च का विवरण आयोग को देना होता है। अनुमान है कि हजारों उम्मीदवारों ने यह ब्योरा नहीं दिया। अब आयोग जिला निर्वाचन अधिकारियों को जल्द ही ऐसे उम्मीदवारों की सूची तैयार करने के लिए आदेश जारी कर सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी यह सूची आयोग को भेजेंगे। इसके बाद चुनाव आयोग ही यह तय करेगा कि चुनावी खर्च नहीं बताने वालों पर क्या कार्रवाई की जाए। नियमानुसार आयोग तीन साल तक चुनाव लड़ने की पाबंदी लगा सकता है।

ईरान में फांसी की सजा रद्द हुई तो अमेरिका ने भी टाल दिए हमले अब तनाव हुआ कम

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों, विशेषकर ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। थरूर ने कहा कि ईरान में वर्तमान तनाव कम होता दिख रहा है, जो विश्व शांति के लिए एक आशाजनक संकेत है। उन्होंने इस सकारात्मक बदलाव के पीछे दो मुख्य कारणों का उल्लेख किया। पहला यह कि ईरान सरकार ने 800 से अधिक लोगों के मृत्युदंड को रद्द करने का एक बड़ा मानवीय निर्णय लिया है। दूसरा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलहाल ईरान पर किसी भी संभावित सैन्य हमले को टालने का फैसला किया है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने इन घटनाओं को अच्छे संकेत करार देते हुए कहा कि लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाए जाने और फांसी की सजा के स्थगन से यह स्पष्ट होता है कि दोनों पक्ष सीधे टकराव से बचना चाह रहे हैं। थरूर के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र के अन्य देश भी इस इलाके में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के पक्षधर हैं, क्योंकि यदि ईरान में संघर्ष बढ़ता है, तो शरणार्थियों का बड़ा संकट पैदा होगा जो पड़ोसी देशों की सीमाओं में प्रवेश करेंगे।

मौनी अमावस्या लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

हेलीकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा

-भीड़ के चलते श्रद्धालुओं को गाइड करने सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स किए तैनात

प्रयागराज।

प्रयागराज माघ मेले में मौनी अमावस्या पर सुबह से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इस दौरान संगम तट पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं, साधु-संतों पर पुष्प वर्षा कराई। पुष्पावर्षा का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कई सौ फीट ऊंचाई से हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जा रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि तीर्थराज प्रयाग में मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर हुई पुष्पवर्षा आस्था का अभिनंदन और महान सनातन संस्कृति का वंदन है। जय मां गंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मौनी अमावस्या पर रविवार सुबह 8 बजे तक 1.3 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। मेला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रद्धालु आधी रात से ही गंगा और संगम घाटों पर घने कोहरे के बावजूद पहुंचने लगे थे और सुबह के शुरुआती घंटों तक सभी दिशाओं से आते रहे। इससे पहले मकर संक्रांति पर करीब 1.03 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई थी, जबकि एकादशी पर करीब 85 लाख लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया था।

मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि तीर्थयात्रियों को सही रास्ता दिखाने में मदद करने के लिए मेला क्षेत्र में खंभों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए हैं, जबकि श्रद्धालुओं को गाइड करने के लिए सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि माघ मेला 800 हेक्टेयर में फैला हुआ है और इसे सात सेक्टरों में बांटा गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से ज़्यादा शौचालय हैं और साफ-सफाई बनाए रखने के लिए 3500 से ज़्यादा सफाई कर्मचारी तैनात हैं। कम समय के लिए कल्पवास करने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए एक टेंट सिटी बनाई गई है। जिसमें ध्यान और योग की सुविधाएं हैं। आवाजाही को आसान बनाने के लिए बाइक टैक्सी और गोल्फ कार्ट जैसी सेवाएं भी दी गई हैं।

बरेला हाईवे पर क्रेटा कार का कोहराम: सड़क किनारे खाना खा रहे मजदूरों को रौंदा, दो की मौत, 20 घायल

- जबरदस्त टक्कर से मजदूर दूर तक उछले

- 13 मजदूरों को आई गंभीर चोटें

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में रविवार दोपहर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया, जिसने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। बरेला थाना क्षेत्र अंतर्गत जबलपुर हाईवे रोड पर तेज रफ्तार से दौड़ती एक सफेद क्रेटा कार अचानक काल बनकर सड़क किनारे बैठे मजदूरों पर टूट पड़ी। हादसे में दो महिला मजदूरों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि करीब 20 मजदूर घायल हो गए। इनमें से 5 से 7 मजदूरों की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा बरेला थाना क्षेत्र के एकता चौक के पास दोपहर करीब 2 बजे हुआ। हाईवे के डिवाइडर पर लगी लोहे की ग्रिल की पेंटिंग और सफाई का काम चल रहा था। काम में लगे मजदूर दोपहर के भोजन के लिए सड़क किनारे बैठे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार क्रेटा कार अनियंत्रित हो गई और सीधे मजदूरों को कुचलते हुए आगे निकल गई। पलभर में खुशियों और मेहनत की जगह चीख-पुकार और अफरा-तफरी में बदल गई।

हादसे के बाद मौके पर हाहाकार मच गया। घायल मजदूर दर्द से तड़पते नजर आए, जबकि उनके साथी मदद के लिए चीखते-चिल्लाते रहे। सड़क पर खून बिखर गया और कुछ देर के लिए हाईवे पर यातायात भी बाधित हो गया। राहगीरों और आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल पुलिस और 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। सूचना मिलते ही बरेला पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, हादसे में 13 मजदूरों को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। वहीं 7 मजदूरों को हल्की चोटें आई थीं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। डॉक्टरों ने दो महिला मजदूरों को मृत घोषित कर दिया, जिससे उनके परिजनों में कोहराम मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की रफ्तार बेहद तेज थी और चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मजदूर दूर तक उछल गए।

जब तक धर्म से चलता रहेगा भारत, 'विश्वगुरु' बना रहेगा: भागवत

-आध्यात्मिक ज्ञान हमारे पूर्वजों की अमूल्य विरासत

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि जब तक भारत का मार्गदर्शन धर्म करता रहेगा, तब तक देश 'विश्वगुरु' बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत के पास ऐसा आध्यात्मिक ज्ञान है, जो दुनिया के अन्य हिस्सों में देखने को नहीं मिलता। यह ज्ञान हमारे पूर्वजों की अमूल्य विरासत है और साधु-संतों के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ता रहा है।

एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे मोहन भागवत ने कहा, कि धर्म केवल पूजा-पाठ या किसी संप्रदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पूरे ब्रह्मांड को चलाने वाला मूल सिद्धांत है। उन्होंने कहा, धर्म ही पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि की उत्पत्ति हुई, तब जो नियम उसकी कार्यप्रणाली को नियंत्रित करते थे, वही धर्म बने। सब कुछ उन्हीं सिद्धांतों पर चलता है।

आरएसएस प्रमुख ने उदाहरण देते हुए कहा, कि जैसे पानी का धर्म बहना है और आग का धर्म जलाना है, वैसे ही हर व्यक्ति, समाज और व्यवस्था का अपना-अपना धर्म यानी कर्तव्य और अनुशासन होता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि धर्म का अर्थ संकीर्ण धार्मिकता नहीं, बल्कि नैतिक कर्तव्य और सही आचरण से है। उनके अनुसार, राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, लेकिन कोई भी मानव या कोई भी सृष्टि धर्म रहित नहीं हो सकती। भागवत ने कहा कि भारत को अपने पूर्वजों से जो आध्यात्मिक धरोहर मिली है, वह दुनिया में अद्वितीय है।

हुगली पहुंचे पीएम मोदी ने ममता सरकार पर किया जबरदस्त हमला, कहा- बंगाल की जनता से दुश्मनी निकाल रही टीएमसी

कोलकाता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में पहुंचे और सिंगूर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने दो जनसभाओं को संबोधित करते हुए टीएमसी सरकार पर तीखा प्रहार किया और केंद्र की योजनाओं को बंगाल तक पहुँचने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने टीएमसी पर बंगाल की जनता से दुश्मनी निकालने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए।

यहां प्रधानमंत्री पीएम मोदी ने कहा, टीएमसी बंगाल के लोगों से दुश्मनी निकाल रही है। केंद्र सरकार की योजनाएं यहां के लोगों तक पहुंचने ही नहीं देती। टीएमसी तो नौजवानों, किसानों, माताओं-बहनों से दुश्मनी ठाने हुए है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका प्रयास है कि बंगाल के हर वर्ग की सेवा की जाए, लेकिन राज्य सरकार इसे रोक रही है।

विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन और बंगाल के लिए नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का लोकार्पण किया। उन्होंने बालागढ़ में बनने वाले एक्सटेंडेड पोर्ट गेट सिस्टम और श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर किए गए निवेश का जिक्र करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं हुगली और आसपास के इलाकों के लिए नए अवसर खोलेंगी।

सिंगूर में हुई दूसरी जनसभा

पीएम मोदी ने कहा कि हुगली में करीब 830 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वंदे मातरम् को न केवल आजादी का उद्घोष बल्कि विकसित भारत का मंत्र भी बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के हर किसान, पशुपालक और मछुआरे को वैश्विक बाजार में अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने टीएमसी के 15 साल के शासन को जंगलराज करार देते हुए कहा कि बीजेपी एनडीए ने बिहार में इसे रोका और अब बंगाल में भी बदलाव लाने के लिए तैयार है।

इंडोनेशिया के सुलावेसी में लापता विमान का मलबा मिला, 11 लोगों की तलाश जारी

जकार्ता।

इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर शनिवार से लापता इंडोनेशिया एयर ट्रांसपोर्ट विमान को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। रविवार सुबह राहत एवं बचाव दल को माउंट बुलुसाराउंग की ऊंची और दुर्गम ढलानों पर विमान का मुख्य हिस्सा (फ्यूजलेज) और पूंछ का हिस्सा दिखाई दिया है। यह विमान 11 लोगों के साथ शनिवार दोपहर को अचानक रडार से गायब हो गया था, जिसके बाद से बड़े पैमाने पर खोज अभियान चलाया जा रहा था।

विमान का संपर्क शनिवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 1ः17 बजे ग्राउंड कंट्रोल से उस समय टूट गया जब वह अपनी निर्धारित उड़ान पर था। टर्बोप्रॉप एटीआर 42-500 विमान योग्याकार्ता से दक्षिण सुलावेसी की राजधानी मकसार की ओर जा रहा था। विमान को अंतिम बार दक्षिण सुलावेसी के मारोस जिले के लेआंग-लेआंग क्षेत्र में ट्रैक किया गया था। परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, रडार से ओझल होने से ठीक पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को अपने रास्ते में सुधार करने के कड़े निर्देश दिए थे, क्योंकि वह सुरक्षित लैंडिंग पाथ से भटक गया था। विमान की तलाश में जुटी वायुसेना और बचाव दलों को सबसे पहले स्थानीय पर्वतारोहियों ने अहम सुराग दिया। माउंट बुलुसाराउंग पर चढ़ाई कर रहे पर्वतारोहियों ने पहाड़ी की चोटियों के पास काला धुआं और बिखरा हुआ मलबा देखा था, जिसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दी गई। रविवार सुबह हवाई गश्त के दौरान राहत दलों के हेलीकॉप्टरों ने पहाड़ के उत्तरी ढलान पर विमान के टुकड़ों की स्पष्ट पहचान की। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मलबे पर विमानन कंपनी का लोगो साफ नजर आ रहा है, जिससे विमान की पहचान सुनिश्चित हो गई है। विमान में कुल 11 लोग सवार थे, जिनमें 8 चालक दल के सदस्य और 3 यात्री शामिल थे। चालक दल का नेतृत्व पायलट कैप्टन एंडी दहानंतो कर रहे थे।

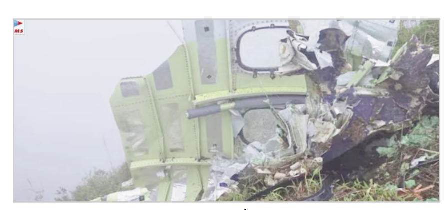

प्रतिवर्ष हो रहीं 10 लाख मौतें- वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट पर कांग्रेस हुई हमलावर, मोदी सरकार से पूछे सवाल

-वायु प्रदूषण पर आधारित है रिपोर्ट

नई दिल्ली।

देश में बढ़ते प्रदूषण को लेकर वर्ल्ड बैंक की हालिया रिपोर्ट के बाद सियासत तेज हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में वायु प्रदूषण के कारण हर साल करीब 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो रही है। साथ ही इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर कहा, कि आखिर मोदी सरकार कब तक सच्चाई से मुंह मोड़ती रहेगी। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड बैंक की यह रिपोर्ट 'ए ब्रीथ ऑफ चेंज' शीर्षक से जारी की गई है, जो इंडो-गैंगेटिक मैदानों और हिमालय की तलहटी में वायु प्रदूषण की स्थिति पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस क्षेत्र में हर साल लगभग 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो रही है और क्षेत्रीय जीडीपी का करीब 10 प्रतिशत आर्थिक नुकसान हो रहा है।

जयराम रमेश ने कहा कि यह रिपोर्ट व्यापक, तथ्यात्मक और सबूतों पर आधारित है। इसमें कोयला आधारित पावर प्लांट्स के उत्सर्जन मानदंडों को सख्ती से लागू करने और सबसे पुरानी व प्रदूषणकारी इकाइयों को तेजी से बंद करने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा रिपोर्ट में शहर-केंद्रित योजनाओं से आगे बढ़कर कानूनी रूप से सशक्त एयरशेड-आधारित गवर्नेंस अपनाने पर जोर दिया गया है।

कांग्रेस नेता ने यह भी बताया कि रिपोर्ट में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के विस्तार और इलेक्ट्रिफिकेशन, वाहन उत्सर्जन मानकों को सख्त करने और ईंधन गुणवत्ता में सुधार की जरूरत पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में एक्यूआई से जुड़ा स्वास्थ्य संकट लगातार गहराता जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस लगातार मांग कर रही है कि वायु प्रदूषण (नियंत्रण और रोकथाम) अधिनियम, 1981 और नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स (नाक्स), 2009 की समीक्षा की जाए, खासकर पीएम 2.5 पर फोकस के साथ।

इसके साथ ही कांग्रेस ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) के बजट और भौगोलिक दायरे को बड़े स्तर पर बढ़ाने, प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए पीएम 2.5 को मानक बनाने और बिना किसी छूट या ढील के वायु प्रदूषण से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

(लेखक--ललित गर्ग)

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दर्शाता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढ़ह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है।

बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुडाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है।

बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पूणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था।

इन परिणामों से यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। 'मराठी मानुष' जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में उसकी कमजोर होती पकड़ यह सवाल उठाती है कि क्या पार्टी बदलते राजनीतिक परिदृश्य को समझने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने में विफल हो रही है। महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर भी इन परिणामों ने प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके घटक दल पहले ही प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह पराजय उस संघर्ष को और कठिन बना देती है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ठाकरे और पवार जैसे परिवारों को अब अपनी राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। केवल विरासत और अतीत की उपलब्धियों के सहारे राजनीति नहीं चलाई जा सकती। जनता अब जवाबदेही, परिणाम और स्पष्ट दिशा चाहती है। इसके विपरीत भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह चुनाव जीतने का गणित अच्छी तरह समझ चुकी है। मजबूत बूथ मैनेजमेंट, कैडर आधारित संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक व सांगठनिक संबल उसकी सफलता की आधारशिला बने हैं। यही कारण है कि भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकली, बल्कि कई स्थानों पर अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी। इन चुनावों का व्यापक अर्थ केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। यह परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास, विकास और आश्वासन की राजनीति को जनता लगातार समर्थन दे रही है। यह राजनीति केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की अनुभूति कराती है। अंधेरों के बीच रोशनी की किरण की तरह यह राजनीति आम नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि उसका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इससे राजनीतिक परिभाषाएं ही नहीं बदलीं, बल्कि इंसान की सोच में भी परिवर्तन आया है। मतदाता अब भावनात्मक उकसावे से अधिक ठोस उपलब्धियों और संभावनाओं को महत्व देने लगा है।

महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव इस बदलाव का सशक्त उदाहरण हैं। बड़े-बड़े दावे करने वालों के बोल ध्वस्त हुए हैं और विकास की राजनीति आगे बढ़ी है। जनता देश को एक नई दिशा, एक नए लोकतांत्रिक परिवेश और एक नई राजनीतिक संस्कृति में देखना चाहती है। यह संस्कृति केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन के तौर-तरीकों में बदलाव की मांग करती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणामोन्मुखी प्रशासन अब केवल नारे नहीं, बल्कि जन अपेक्षा बन चुके हैं। बीएमसी जैसे शक्तिशाली संस्थान में भाजपा का वर्चस्व न केवल मुंबई की सत्ता संरचना को बदलेगा, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति की धुरी को भी नए सिरे से परिभाषित करेगा। यह जीत बताती है कि लोकतंत्र में वही राजनीतिक ताकत टिकाऊ होती है, जो समय के साथ खुद को बदलने, जनता की नब्ज पहचानने और विकास को केंद्र में रखने का साहस रखती है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों ने इसी सच्चाई को एक बार फिर उजागर किया है।

संपादकीय

महाराष्ट्र के निकाय चुनाव में दिखा दबदबा

महाराष्ट्र के निकाय चुनावों में भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने अधिकांश निकायों में जीत हासिल की, खासकर बीएमसी पर प्रभुत्व जमाया। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने 25 साल बाद बीएमसी की सत्ता खोई, जिसका मुख्य कारण विचारधारा से भटकना और मनसे से गठबंधन रहा। यह हार उद्धव के लिए बड़ा झटका है, जबकि भाजपा के सामने बीएमसी को भ्रष्टाचार मुक्त करने की चुनौती है। देश में सबसे अधिक बजट वाले नगर निकाय बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी पर प्रभुत्व कायम करने वाली भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने महाराष्ट्र के अन्य अधिकांश निकायों के चुनावों में जीत हासिल कर राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। बीएमसी के चुनाव नतीजों पर अधिक ध्यान था, क्योंकि यहां पर ठाकरे परिवार की शिवसेना का 25 वर्षों से कब्जा था। शिवसेना-उद्धव ठाकरे का बीएमसी की सत्ता से बाहर होना एक बड़ा झटका है, क्योंकि इस निकाय का करीब 75 हजार करोड़ रुपये का बजट उसे देश की आर्थिक राजधानी में राजनीतिक शक्ति के साथ आर्थिक ताकत भी प्रदान करता था। उद्धव ठाकरे ने बीएमसी पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से हाथ मिलाया, लेकिन यह मेल उस पर भारी पड़ा। इसका एक कारण यह रहा कि वह अपनी विचारधारा से भटकती दिखी। कभी भाजपा की स्वाभाविक सहयोगी रही शिवसेना ने पहले धुर विरोधी दलों कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से हाथ मिलाया, फिर निकाय चुनावों में मनसे से हाथ मिला लिया, जो मराठी मानुस के अपने उग्र एजेंडे के कारण उत्तर भारतीयों के प्रति बैर रखने वाली पार्टी है। इस बार तो राज ठाकरे ने तमिलनाडु भाजपा नेता अन्नामलाई के प्रति अपमानजनक बातें करके उत्तर भारतीयों समेत महाराष्ट्र के बाहर के सभी बाशिंदों को सशंकित कर दिया। यह उद्धव ठाकरे के पराभव का दूसरा कारण रहा। उद्धव यह भूल गए कि अब राज्य के बड़े शहरों में अन्य राज्यों के लोगों की बड़ी संख्या है। मुंबई तो देश भर के लोगों का घर है। कहना कठिन है कि निकाय चुनावों के निराशाजनक नतीजों के बाद उद्धव ठाकरे मनसे का हाथ छोड़कर फिर से कांग्रेस के साथ खड़े होंगे या नहीं, लेकिन उनके लिए महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहना किसी चुनौती से कम नहीं। चुनौती कांग्रेस के सामने भी है, क्योंकि निकाय चुनावों में अपेक्षित नतीजे न मिल पाने के कारण राष्ट्रीय दल के रूप में उसकी स्थिति और कमजोर दिखने लगी है। एक चुनौती शानदार जीत हासिल करने वाली भाजपा के सामने भी है और यह है बीएमसी के कामकाज को भ्रष्टाचार से मुक्त करने और मुंबई का सही तरीके से विकास करने की। बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल इसीलिए थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। मुंबई को खराब सड़कों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए।

बच्चों को मोबाइल देना, बचपन से खिलवाड़– एक सांस्कृतिक चेतावनी

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

बच्चों को मोबाइल देना बच्चों से समय पुर्व में बचपन छीनना है। जो आज के एकल परिवारों और कामकाजी महिलाओं के परिवारों में एक कड़वी सच्चाई के रूप में उभरा है। एक टिप्पणी नहीं, बल्कि भारतीय समाज और हिन्दू संस्कृति के लिए चेतावनी है। आज जब स्मार्टफोन आधुनिकता का प्रतीक बन चुका है, तब यह समझना आवश्यक है कि तकनीक साधन है, साध्य नहीं। यदि साधन ही साध्य बन जाए, तो उसका परिणाम विनाशकारी होता है—विशेषकर बच्चों के भविष्य के लिए।

हिन्दू संस्कृति सदैव संयम, मर्यादा और संतुलन पर आधारित रही है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है—

卐अति सर्वत्र वर्जयेत्卐 अर्थात किसी भी वस्तु की अति त्याज्य है। आज बच्चों के जीवन में मोबाइल की अति ने यही संतुलन बिगाड़ दिया है। खेल, अध्ययन, संवाद, संस्कार—सब कुछ स्क्रीन के पीछे सिमटता जा रहा है। यह कहना कि 卐स्मार्टफोन बच्चों के भविष्य को खराब कर देगा卐 कोई अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक यथार्थ है।

मोबाइल फोन बच्चों को न केवल शारीरिक रूप से निष्क्रिय बना रहा है, बल्कि मानसिक रूप से भी कमजोर कर रहा है। लगातार स्क्रीन देखने से एकाग्रता घट रही है, स्मरण शक्ति प्रभावित हो रही है और नींद की प्राकृतिक लय टूट रही है।आधुनिक मनोविज्ञान भी इसकी पुष्टि करता है। वर्चुअल दुनिया में जीता बच्चा वास्तविक जीवन के संघर्षों का सामना करने में असमर्थ होता जा रहा है।

हिन्दू जीवन दर्शन में गुरुकुल परंपरा रही है, जहाँ शिक्षा के साथ संस्कार, चरित्र निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास होता था। आज मोबाइल ने गुरु, मित्र और मार्गदर्शक—सबका स्थान लेने का प्रयास किया है, पर बिना विवेक के। परिणामस्वरूप बच्चे अपनी संस्कृति, भाषा और पारिवारिक संवाद से दूर होते जा रहे हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है।

भारतीय महापुरुषों का व्यक्तित्व स्वयं अनुशासन, तप और संयम का उदाहरण है। उनका अनुसरण कर इसे जीवन-दृष्टि दें। वे आधुनिकता के विरोधी नहीं, बल्कि अनुशासित आधुनिकता के पक्षधर हैं। मोबाइल का उपयोग शिक्षा, ज्ञान और रचनात्मकता के लिए हो—यह स्वीकार्य है; लेकिन उसका अनियंत्रित उपयोग बच्चों के हाथ में देना वास्तव में भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

आज आवश्यकता है कि माता-पिता, शिक्षक और समाज मिलकर बच्चों को मोबाइल से अधिक संस्कार, खेल, योग, ध्यान और भारतीय परंपराओं से जोड़ें। रामायण, महाभारत, गीता जैसे ग्रंथ बच्चों के चरित्र निर्माण में कहीं अधिक सहायक हैं, तुलनात्मक किसी रील या गेम के।

अतः यह सलाह केवल सैद्धांतिक की नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की पुकार है—बच्चों को तकनीक का दास नहीं, उसका स्वामी बनाइए। यही भारत के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है।

*लेखाराम बिश्नोई
लेखक व विचारक*

ईश्वरीय सिद्धांत

तीन अत्यन्त महत्त्वपूर्ण सिद्धांत व्यक्त होते हैं- यह जो संसार है परमात्मा से व्याप्त है, उसके अतिरिक्त सब मिथ्या है, माया है, भ्रम है, स्वप्न है। मनुष्य को उसकी इच्छानुसार सृष्टि संचालन के लिए कार्य करते रहना चाहिए। मनुष्य में जो श्रेष्ठता-शक्ति या सौन्दर्य है वह उसके दैवी गुणों के विकास पर ही है। मनुष्य जीवन के सुख और उसकी शांति के लिए इन तीनों सिद्धांतों का पालन ऐसा ही पुण्य-फलदायक है। ईश्वर उपासना मनुष्य का स्वाभाविक धर्म है। उपासना विकास की प्रक्रिया है। संकुचित को सीमारहित करना, स्वार्थ को छोड़कर परार्थ की ओर अग्रसर होना मनुष्य के आत्मतत्त्व की ओर विकास की परंपरा है। पर यह तभी संभव है जब सर्व-शक्तिमान परमात्मा की सत्ता को स्वीकार कर लें, उसकी शरणागति की प्राप्ति हो जाय। मनुष्य रहते हुए मानवता की सीमा को भेदकर उसे देवस्वरूप में विकसित कर देना ईश्वर की शक्ति का कार्य है। जान-बूझकर या अकारण परमात्मा कभी किसी को दंड नहीं देता। प्रकृति की स्वच्छंद प्रगति प्रवृत्ति में ही सबका हित नियंत्रित है। जो इन प्राकृतिक नियमों से टकराता है वह बार-बार दुःख भोगता है और तब तक चैन नहीं पाता, जब तक वापस लौटकर फिर उस सही मार्ग पर नहीं चलने लगता है। भगवान भक्त की भावनाओं का फल तो देते हैं, किंतु उनका विधान सभी संसार के लिए एक जैसा ही है। भावनाशील व्यक्ति भी जब तक अपने आप की सीमाएं नहीं पार कर लेता, तब तक अटूट विश्वास, दृढ़ निश्चय रखते हुए भी उन्हें प्राप्त नहीं कर पाता। अपने से विमुख प्राणियों को भी वे दुःख-दंड नहीं देते। मनुष्य का विधान तो देश, काल और परिस्थितियों वश बदलता भी रहता है, किंतु उसका विधान सदैव एक जैसा ही है। भावनाशील व्यक्ति भी उसकी चाहे कितनी ही उपासना करे- सांसारिक कर्त्तव्यों की अवहेलना कर या दैवी-विधान का उल्लंघन कर कभी सुखी नहीं रह सकता। जैसा कर्म-बीज वैसा ही फल, यह उसका निश्चल नियम है। सुख और दुःख, बंधन और मुक्ति मनुष्य के कर्मो के अनुसार ही प्राप्त होते हैं। दुष्कर्मो का फल भोगने से मनुष्य बच नहीं सकता। अपनी तुच्छ सत्ता को परमात्मा की शरणागति में ले जाने से मनुष्य अनेकों कष्ट-कठिनाइयों से बच जाता है। गृहपति की अवज्ञा करके जिस तरह घर का कोई भी सदस्य सुखी नहीं रह सकता, उसी प्रकार परमात्मा का विरोधी भी कभी सुखी या संतुष्ट नहीं रह सकता।

न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर सवाल

(लेखक-सनत जैन/)

भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका को संविधान एवं नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षक की मान्यता है। नागरिकों के अंतिम भरोसे के रूप में न्यायालयों की मान्यता है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट से अपेक्षा होती है, वह कार्यपालिका और विधायिका पर अंकुश रखें। कार्यपालिका और विधायिका नागरिकों पर शासन करती है। जो शासन और प्रशासन से प्रताड़ित होते हैं, वह कमजोर होते हैं। उनके अधिकारों की रक्षा न्यायपालिका के माध्यम से ही संभव है। हाल के वर्षों में जिस तरह सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में सरकार के लिए अलग और आम जनता के लिए अलग नियम लागू किए जा रहे हैं। जिस तरह से न्यायपालिका के फैसले बार-बार बदले जा रहे हैं। संवैधानिक पीठों और बड़ी बेंचों के पूर्व निर्णयों की अनदेखी की जा रही है। उसने न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। एक ही मुद्दे पर अलग-अलग बेंचों की विरोधाभासी टिप्पणियाँ, निर्णय और पूर्व निर्णयों को पलटने से ना केवल कानूनी अस्थिरता पैदा हो रही है, बल्कि नागरिकों तथा विधि व्यवसाय से जुड़े हुए लोगों के मन में भी न्यायपालिका के प्रति अविश्वास जन्म ले रहा है। न्याय अब संविधान और कानून नियम के सिद्धांतों से नहीं, वरन खुली आंख से देखकर न्यायालयों द्वारा परिस्थितिवश फैसले दिए जा रहे हैं। जब संवैधानिक पीठों के फैसलों को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों द्वारा अपेक्षित सम्मान नहीं दिया जाएगा, ऐसी स्थिति में न्यायिक अनुशासन और न्याय व्यवस्था का कमजोर पड़ना तय है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार के खिलाफ मामलों में न्यायालयों द्वारा सुनवाई और फैसला देने में देरी की जा रही है। कई संवैधानिक मामले और जनहित याचिकाओं की वर्षों तक सुनवाई नही होती है। लंबे समय के बाद जो फैसले आते हैं वह भी आधे अधूरे होते हैं। जमानत और अन्य फैसलों में सरकार की ईच्छा- अनिच्छा, न्यायधीशों के मन में धार्मिक आधार पर गुण-दोषों को दरकिनार करते हुए पूर्वाग्रहों के आधार पर निर्णय करने के कई मामले सामने आए हैं। नागरिकता, चुनाव, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संघीय ढांचे से जुड़े कई मामलों में न्याय में देरी, वस्तुतः न्याय से इनकार किये जाने के समान है। इससे यह धारणा मजबूत हो रही है। न्याय पालिका अब केंद्र सरकार की इच्छा के विपरीत निर्णय देने से हिचक रही है। देश के विभिन्न राज्यों के हाईकोर्ट में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों में पदोन्नति, ट्रांसफर, पोस्टिंग को लेकर यही डर दिखता है। जिसके कारण ना तो समय पर सुनवाई हो रही है, ना ही उन पर त्वरित निर्णय आ पा रहे हैं। कई बार कठोर संवैधानिक प्रश्नों से बचने की प्रवृत्ति भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों में दिखने लगी है। कई बार तो सुनवाई के दौरान यह लगने लगता है, जज सरकार की ओर से अपना पक्ष रख रहे हैं। आम आदमी के लिए यह स्थिति बेहद भयावह है। जब अदालतें समय पर न्याय नहीं देंगी। ऐसी स्थिति में लोग वैकल्पिक न्याय के रास्ते खोजेंगे। अपराधियों और नेताओं के पास जाकर न्याय पाने की कोशिश करेंगे। जिसके कारण न्यायपालिका और कानून व्यवस्था की छवि दोनों का ही नुकसान होना तय है। हालिया घटनाओं में, जैसे पश्चिम बंगाल में न्यायिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास, भीड़तंत्र की प्रवृत्ति, इसी टूटते भरोसे का परिणाम मानी जा सकती हैं। पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल इत्यादि में जिस तरह की घटनाएं भीड़तंत्र के रुप में देखने को मिली हैं। चुनाव आयोग, एसआईआर के मामले में जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट में तारीख पर तारीख मिलती रही। उसी बीच बिहार में चुनाव भी हो गए। इसी तरह कई अन्य याचिकाओं पर भी लंबे समय सुनवाई नहीं हो पाई। जब सुनवाई हुई, तब उस निर्णय का कोई औचित्य नहीं रहा। इलेक्शन बांड का मामला सबसे बड़ा उदाहरण है। महाराष्ट्र में कई वर्षों तक असंवैधानिक सरकार चलती रही।

ऐसी स्थिति पर आम जनता का न्यायपालिका पर विश्वास डगमगा रहा है। इससे कानून का शासन कमजोर पड़ने लगा है। कॉलेजियम प्रणाली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हाल ही में 56 जजों की वरिष्ठता क्रम को दरकिनार करते हुए सुप्रीम कोर्ट में जिस जज की नियुक्ति की गई है, उसने भी न्यायपालिका के विश्वास के संकट को बढ़ाने का काम किया हैं। जजों की नियुक्ति में पारदर्शिता की कमी, सरकार का बढ़ता हस्तक्षेप, पक्षपात और भाई-भतीजावाद के आरोप लंबे समय से लग रहे हैं। न्यायपालिका की नियुक्तियाँ सीमित दायरे में, बंद दरवाजों के पीछे होती हैं। ऐसी स्थिति में न्याय पालिका की निष्पक्षता पर संदेह होना स्वाभाविक है। हाल ही में कॉलेजियम की एक सदस्य ने जिस तरह से उनकी आपत्ति को दर्ज नहीं करने की बात कही। हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के मामले में भी जिस तरह की चर्चा हो रही है। उसको देखते हुए न्यायपालिका को आत्मावलोकन की जरूरत है। न्याय पालिका की स्वतंत्रता केवल सरकार से दूरी दिखाने मे नहीं, बल्कि सुसंगत फैसलों, समयबद्ध सुनवाई, पारदर्शी नियुक्तियों और संवैधानिक फैसलों से सुनिश्चित होती है। सुप्रीम कोर्ट स्वयं अपने फैसलों का सम्मान नहीं करेगा।

भारतीय बाजार में पहली कार उतारने जा रही जेएसडब्ल्यू

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू कंपनी चीन की चेरी ऑटोमोबाइल के साथ मिलकर अपनी पहली कार भारतीय बाजार में उतारने जा रही है। जेटूर चेरी ऑटोमोबाइल का प्रीमियम ब्रांड है, जिसे 2018 में लॉन्च किया गया था और यह मुख्य रूप से एसयूवी और क्रॉसओवर सेगमेंट पर फोकस करता है। यह कार जेटूर टी2 आई-डीएम प्लग-इन हाइब्रिड एसयूवी होगी, जिसे एक नए जेएसडब्ल्यू ब्रांड नाम के तहत बेचा जाएगा। जेटूर टी2 का डिजाइन काफी हद तक लैंड रोवर डिफेंडर से प्रेरित माना जा रहा है। भारत में जेएसडब्ल्यू पेट्रोल वर्जन के बजाय इसका जेएसडब्ल्यू यानी प्लग-इन हाइब्रिड वर्जन पेश करेगा, जिससे इसे प्रीमियम और टेक्नोलॉजी-फोकस्ड पोजिशनिंग मिलेगी।

डाइमेंशन की बात करें तो जेटूर टी2 आई-डीएम की लंबाई 4,785 एमएम, चौड़ाई 2,006 एमएम और ऊंचाई 1,875 एमएम है, जबकि इसका व्हीलबेस 2,800 एमएम है। यह 5-सीटर एसयूवी मोनोकॉक फ्रेम पर आधारित है और बॉक्सी, दमदार रोड प्रेजेंस देती है। सबसे अहम बात यह है कि जेटूर टी2 आई-डीएम की अनुमानित कीमत करीब 45 लाख रुपये हो सकती है, जिससे यह भारत की सबसे अफॉर्डेबल पीएचईवी बन सकती है। फिलहाल भारतीय बाजार में पीएचईवी विकल्प ज्यादातर लग्जरी सेगमेंट तक ही सीमित हैं।

फास्ट चार्जिंग के जरिए 30 मिनट में 30 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। जेटूर टी2 आई-डीएम को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में जेएसडब्ल्यू की नई ग्रीनफील्ड फैसिलिटी में लोकली असेंबल किया जाएगा और इसके 2026 के फेस्टिव सीजन तक लॉन्च होने की उम्मीद है। इस एसयूवी में 1.5-लीटर प्लग-इन हाइब्रिड पावरट्रेन दिया गया है, जो 156 पीएस की पावर और 220 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

इसमें 26.7 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 130 किमी (एनईडीसी) की प्योर इलेक्ट्रिक रेंज देती है।

1000 रुपए के पार जा सकता है जस्ट डायल का शेयर

- रिलायंस रिटेल के पास 63.84 फीसदी हिस्सेदारी, टारगेट प्राइस 1,060 रुपये तक

मुंबई । शेयर बाजार में मुकेश अंबानी की कंपनियों से जुड़ा कोई भी स्टॉक निवेशकों के बीच खास आकर्षण रखता है। ऐसी ही एक कंपनी है जस्ट डायल लिमिटेड, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) की बड़ी हिस्सेदारी है। शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार रिलायंस रिटेल के पास जस्ट डायल के 5,42,89,574 शेयर यानी 63.84 फीसदी हिस्सेदारी है। इस तरह कंपनी का नियंत्रण पूरी तरह मुकेश अंबानी समूह के पास है। वर्तमान में जस्ट डायल का शेयर 718.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बीते शुक्रवार को इंट्रा-डे में शेयर 749 रुपये तक पहुंच गया था। स्टॉक का 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर 1,049.85 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने स्टॉक पर अपनी बाय रेटिंग बरकरार रखी है और इसका नया टारगेट प्राइस 1,060 रुपये तय किया है, जो पहले के 1,050 रुपये से थोड़ा अधिक है।` वित्त वर्ष 26-28 के लिए ब्रोकरेज ने रेवेन्यू अनुमानों में मामूली बदलाव किया है, जबे कि ऐ बिडा मार्जिन के अनुमान में 37-71 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी की है। वहीं सिटी ब्रोकरेज ने भी स्टॉक पर बाय रेटिंग बनाए रखी है, लेकिन लगातार ट्रैफिक में गिरावट के चलते वैल्यूएशन मल्टीपल को 12 गुना से घटाकर 10 गुना कर दिया है। सिटी का टारगेट प्राइस 1,000 रुपये है। दिसंबर तिमाही में जस्ट डायल का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 10.2 फीसदी घटकर 117.9 करोड़ रुपये रहा।

एफपीआई ने जनवरी में शेयर बाजार से निकाले 22,530 करोड़

नई दिल्ली । अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि और डॉलर की मजबूती के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी 2026 के पहले 16 दिनों में भारतीय शेयरों से 22,530 करोड़ रुपए से अधिक निकाले। यह बिकवाली 2025 में दर्ज की गई 1.66 लाख करोड़ रुपए की कुल निकासी के बाद एक और बड़ी प्रवृत्ति है। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिकी बॉन्ड का बढ़ा हुआ रिटर्न और मजबूत डॉलर निवेशकों को विकसित बाजारों की ओर आकर्षित कर रहा है। इसके अलावा वैश्विक व्यापार तनाव, अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी की आशंका, मुद्रा की अस्थिरता और भारतीय शेयरों के ऊँचे मूल्यांकन ने बिकवाली को और तेज किया। एफपीआई की लगातार बिकवाली के दबाव ने 2025 में रुपये को डॉलर के मुकाबले लगभग 5 फीसदी कमजोर कर दिया। सेंट्रिसिटी वेल्थटेक के एक अे धिकारी ने कहा कि भू-राजनीतिक और व्यापार संबंधी अनिश्चितताएं उभरते बाजारों में निवेशकों के जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित कर रही हैं।

भारत का वाहन निर्यात 2025 में 24 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2025 में भारत से वाहन निर्यात 24 फीसदी बढ़कर 63.25 लाख इकाई हो गया, जो 2024 में 50.98 लाख इकाई था। यात्री वाहनों का निर्यात 16 फीसदी बढ़कर 8.63 लाख इकाई हुआ। इसमें यात्री कारों का निर्यात 3 फीसदी और उपयोगिता वाहनों का निर्यात 32 फीसदी बढ़ा। दोपहिया वाहनों का निर्यात भी 24 फीसदी बढ़कर 49.39 लाख इकाई हो गया। मोटरसाइकिल का निर्यात 27 फीसदी और स्कूटर का 8 फीसदी बढ़ा। तिपहिया वाहनों का निर्यात 43 फीसदी और वाणिज्यिक वाहनों का 27 फीसदी बढ़ा। मारुति सुजुकी 3.95 लाख इकाई के निर्यात के साथ अग्रणी रही। पश्चिम एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में मांग स्थिर रही।

एडलवाइस लाइफ का अगले 2-3 वर्षों में दहाई अंकों में वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली । एडलवाइस लाइफ इंश्योरेंस के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि कंपनी अगले 2-3 वर्षों में 12-16 फीसदी की दहाई अंकों में वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही है और वित्त वर्ष 2026-27 तक घाटे से उबर जाएगी। उन्होंने बताया कि कंपनी लगभग 14 साल पुरानी है और 2017-18 के बाद ही असली वृद्धि देखी गई। उन्होंन कहा कि शुरुआत में कंपनी मुख्यतः एक-चैनल पर निर्भर थी, जबकि अब मालिकाना और साझेदारी चैनल लगभग 50-50 प्रतिशत योगदान देते हैं। यह संतुलन उत्पाद मिश्रण और दीर्घकालिक व्यवसाय रणनीति में भी दिखता है। कंपनी` वित्त वर्ष 2025-26 में 650 करोड़ रुपये का नया व्यवसाय और कुल 2,400 करोड़ रुपये प्रीमियम आय का लक्ष्य रख रही है। उन्होंने यह भी बताया` कि वर्तमान चुकता पूंजी लगभग 2,800 करोड़ रुपये है और अगले 2-3 वर्षों में विस्तार के दौरान यह पूंजी समर्थन जारी रहेगा।

इंजीनियर्स इंडिया अफ्रीका की डांगोटे रिफाइनरी का विस्तार करेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) ने नाइजीरिया में डांगोटे रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल परिसर के विस्तार के लिए 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का अनुबंध हासिल किया है। कंपनी इस परियोजना में परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) और ईपीसीएम सलाहकार के रूप में कार्य करेगी। कंपनी पहले भी डांगोटे ग्रुप के लिए रिफाइनरी निर्माण के समय ईपीसीएम सलाहकार थी। अब कंपनी को रिफाइनरी के विस्तार कार्य के लिए पुनः नियुक्त किया गया है। डांगोटे रिफाइनरी की वर्तमान क्षमता 6.5 लाख बैरल प्रतिदिन है, जिसे विस्तार के बाद 14 लाख बैरल प्रतिदिन किया जाएगा। यह अनुबंध ईआईएल की विश्व स्तरीय ऊर्जा परियोजनाओं में भूमिका को और मजबूत करता है।

लग्ज़री कारों पर आयात शुल्क को तर्कसंगत बनाया जाए- मर्सिडीज

पुणे । मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि आयातित लग्ज़री कारों पर मौजूदा उच्च सीमा शुल्क को तर्कसंगत बनाने से प्रीमियम खंड में मांग बढ़ सकती है जिससे सरकार का कुल कर राजस्व भी बढ़ेगा। वर्तमान में 40,000 डॉलर से कम कीमत वाली आयातित कारों पर 70 फीसदी और 40,000 डॉलर से अधिक कीमत वाली कारों पर 110 फीसदी प्रभावी सीमा शुल्क लागू है। उनका सुझाव है कि इसे एक ही स्लैब में लाया जाए, जिससे कीमतें स्थिर रहें और बिक्री प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि स्थिर व्यापक आर्थिक नीति और रुपये में गिरावट को रोकने वाला बेहतर राजकोषीय प्रबंधन भी कंपनियों के लिए सहायक होगा। उन्होंने जीएसटी सुधारों का उदाहरण देते हुए कहा कि सीमा शुल्क में भी इसी तरह सुधार होना चाहिए।

एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 31 करोड़ व इंफो सिस का 39 करोड़ बढ़ा

- आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण में भी बढोतरी, अन्य सात कंपनियों को नुकसान

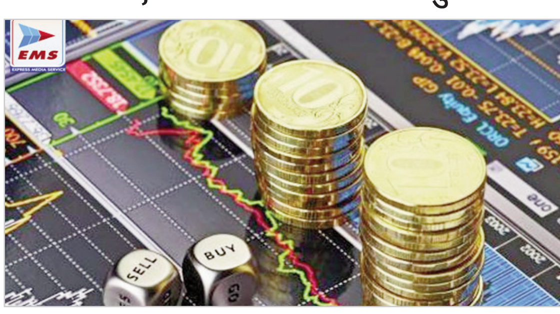

मुंबई ।

बीएसई की शीर्ष 10 कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इंफोसिस के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह जबरदस्त तेजी देखी गई। सार्वजनिक क्षेत्र के एसबीआई का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) एक सप्ताह में 39,046 करोड़ रुपये बढ़ा। वहीं आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंफोसिस का एमकैप 31,015 करोड़ रुपये बढ़ गया। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी 5,795 करोड़ रुपये बढ़ा, जिससे इन बैंकों और आईटी कंपनियों की मजबूती का संकेत मिला। शीर्ष 10 कंपनियों में शामिल अन्य सात कंपनियों को बाजार पूंजीकरण के मामले में नुकसान उठाना पड़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 23,952 करोड़ रुपये और निर्माण एवं अभियांत्रिकी क्षेत्र की एलएंडटी का 23,502 करोड़ रुपये घट गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,615 करोड़ रुपये गिर गया। इसी तरह, भारती एयरटेल का 6,443 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का 6,254 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण एमकैप 3,313 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि टीसीएस का 470 करोड़ रुपये घटा।

बाजार पूंजीकरण के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे है, जिसका कुल बाजार पूंजीकरण 19,72,493 करोड़ रुपये है। एचडीएफसी बैंक 14,32,535 करोड़ रुपये के साथ दूसरे और टीसीएस 11,60,212 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर है।

वैश्विक संकेत और कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

अमेरिकी आर्थिक आंकड़े, बेरोजगारी के दावे और पीएमआई पर आधारित आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह विभिन्न कारकों से प्रभावित होगा, जिनमें प्रमुख तिमाही नतीजे, वैश्विक आर्थिक आंकड़े, और भू-राजनीतिक घटनाक्रम शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन सभी फैक्टर्स के आधार पर निवेशकों का रुख तय होगा। इस सप्ताह बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे। शुरुआती दौर में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख दिग्गजों के नतीजे निवेशकों का ध्यान आकर्षित करेंगे। इसके बाद बीएचईएल, एलटीआईमाइंडट्री, पीएनबी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस जैसे अन्य महत्वपूर्ण कंपनियों के तिमाही परिणामों पर भी बाजार की प्रतिक्रियाएं देखी जाएंगी। अमेरिकी आर्थिक आंकड़े, जैसे कि जीडीपी वृद्धि दर, बेरोजगारी के दावे और पीएमआई (प्रचालनात्मक

गतिविधि) पर आधारित आंकड़े भी इस सप्ताह भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकते हैं।

इन आंकड़ों से वैश्विक बाजार की धारणा और मुद्रा की गति पर असर पड़ेगा, जिससे भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

निवेशक इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी विशेष ध्यान देंगे। यदि कोई महत्वपूर्ण घटनाएं घटित होती हैं, तो इसका असर बाजार पर पड़ सकता है।

आम बजट के नजदीक आने से विभिन्न क्षेत्रों में बजट-पूर्व उम्मीदें हलचल पैदा कर सकती हैं। विशेष रूप से बैंकिंग, ऊर्जा, और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र पर इस हफ्ते अधिक गतिविधि हो सकती है।

अदाणी सोलर वुड मैकेंजी की वैश्विक सौर मॉड्यूल सूची में 8वां स्थान पर

- 'श्रेणी ए' रेटिंग के साथ कंपनी ने वैश्विक स्तर पर प्रदर्शन और पारदर्शिता में दिखाई उत्कृष्टता

नई दिल्ली।

अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) की सौर फोटोवोल्टिक इकाई, अदाणी सोलर, को वुड मैकेंजी की 2025 की पहली छमाही की वैश्विक सौर मॉड्यूल विनिर्माण सूची में शामिल किया गया। कंपनी को 8वां स्थान और 'श्रेणी ए' वर्गीकरण प्राप्त हुआ। रिपोर्ट के अनुसार अदाणी सोलर ने 81 अंक हासिल किए, जबकि जेए सोलर और ट्रिनासोलर ने क्रमशः 91.7 और 91.6 अंक के साथ शीर्ष स्थान साझा किया। वुड मैकेंजी विनिर्माताओं का मूल्यांकन 10 मानदंडों पर करता है, जिसमें तीसरे पक्ष के विश्वसनीयता परीक्षण, वित्तीय स्वास्थ्य, विनिर्माण रिकॉर्ड और पेटेंट गतिविधि शामिल हैं। 'श्रेणी ए' रेटिंग का अर्थ है कि कंपनी उच्चतम प्रदर्शन और पारदर्शिता के मानकों को पूरा करती है। यह उपलब्धि अदाणी सोलर की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती और भरोसेमंद सौर पैनल निर्माण क्षमता को दर्शाती है। विश्लेषकों के अनुसार, यह रैंकिंग भारत में सौर ऊर्जा उद्योग की बढ़ती स्थिति और निरंतर नवाचार की पुष्टि करती है।

तेल-तिलहन बाजार में मजबूती, सोयाबीन की कीमत में बढ़ोतरी

- विदेशी बाजार मजबूत रहने, रुपए की गिरावट और जाड़े व शादी-विवाह के मौसम से भाव में तेजी

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजार ने बीते सप्ताह मजबूती का रुख दिखाया। विदेशी बाजारों में सुधार, रुपये के कमजोर होने और जाड़े व शादी-विवाह के मौसम में बढ़ी मांग ने दामों को ऊंचा धकेला। विशेषज्ञों का कहना है कि सोयाबीन, सरसों, मूंगफली और सूरजमुखी में यह मजबूती घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर है। महाराष्ट्र में मांग बढ़ने और किसानों की बिक्री घटने के कारण सोयाबीन के दाम 100 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाए गए। हाजिर भाव लगभग 5,300 रुपए क्विंटल है, जबकि एमएसपी 5,328 रुपए क्विंटल है। सोयाबीन की बढ़ती मांग और आयात में कमी ने इसे बाजार में मजबूत बनाए रखा। सरसों की पैदावार अच्छी रही, लेकिन उच्च दाम और आगामी खड़ी फसल के कारण उठाव सीमित रहा। मूंगफली और सूरजमुखी के दाम अभी भी एमएसपी से नीचे हैं। जाड़े में साबुत खाने वालों और उच्च गुणवत्ता वाले तेल की मांग से मूंगफली तेल में हल्का सुधार देखा गया। सरकार ने पाम तेल का आयात शुल्क 41 रुपये क्विंटल और सोयाबीन डीगम का आयात शुल्क 24 रुपये क्विंटल बढ़ाया। रुपये के कमजोर होने से आयातित तेल महंगा हुआ, जिससे घरेलू दाम मजबूती पाई। बीते सप्ताह सरसों दाना 85 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 175 रुपये के सुधार के साथ 14,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,435-2,535 रुपये और 2,435-2,580 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 290-290 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 5,400-5,450 रुपये और 5,100-5,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 200 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 13,700 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 200 रुपये के सुधार के साथ 11,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन 100 रुपये के सुधार के साथ 6,675-7,050 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये के सुधार के साथ 16,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 45 रुपये के सुधार के साथ 2,575-2,875 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा दिसंबर तिमाही में बढ़कर 18,654 करोड़ पहुंचा

– मुनाफे और डिपॉजिट में अच्छी ग्रोथ, ब्याज मार्जिन पर हल्का दबाव

नई दिल्ली ।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक एचडीएफसी बैंक ने दिसंबर 2025 तिमाही के नतीजे जारी कर` दिए हैं। नतीजों में बैंक के प्रदर्शन में मजबूती दिखी है। तिमाही के दौरान बैंक का मुनाफा बढ़कर 18,654 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 16,736 करोड़ रुपये था। इस तरह साल-दर-साल आधार पर मुनाफे में करीब 11.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) भी इस तिमाही में बढ़कर 32,620 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो पिछले साल 30,650 करोड़ रुपये थी। इसमें 6.4 फीसदी की वृद्धि हुई। हालांकि, ब्याज मार्जिन पर कुछ दबाव देखने को मिला। कुल एसेट्स पर नेट इंटरेस्ट मार्जिन 3.35 फीसदी और ब्याज कमाने वाली एसेट्स पर 3.51 फीसदी रहा। एचडीएफसी बैंक की लोन क्वालिटी स्थिर बनी रही। ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स घटकर 35,179 करोड़ रुपये रह गईं, जबकि पिछले साल यह 36,019 करोड़ रुपये थीं। जीएनपीए अनुपात भी सुधरकर 1.24 फीसदी हो गया, जो एक साल पहले 1.42 फीसदी था। नेट एनपीए 11,982 करोड़ रुपये रहा और इसका अनुपात 0.42 फीसदी पर आ गया। तिमाही के दौरान प्रोविजन और कंटिंजेंसी पर खर्च घटकर 2,840 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल के मुकाबले 10 फीसदी कम है। इसमें 1,040 करोड़ रुपये के कंटिंजेंट प्रोविजन की वापसी से भी राहत मिली। प्रोविजन को हटाकर देखें तो क्रेडिट कॉस्ट रेशियो 0.55 फीसदी रहा।

चेटजीपीटी में आएंगे पहली बार विज्ञापन, अमेरिका में ट्रायल शुरू

- फ्री और गो प्लान के यूज़र्स के लिए शुरू होगा सीमित विज्ञापन परीक्षण

नई दिल्ली।

ओपनएआई ने घोषणा की है कि वह चेटजीपीटी में विज्ञापन को ट्रायल आधार पर पेश करने जा रहा है। यह परीक्षण फिलहाल केवल अमेरिका में रहने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए होगा। कंपनी के अनुसार विज्ञापन चैट के उत्तरों के ऊपर या नीचे दिखाई देंगे, लेकिन सीधे एआई के उत्तरों के अंदर शामिल नहीं किए जाएंगे। ओपनएआई ने साफ किया है कि विज्ञापन कभी भी चेटजीपीटी के जवाबों को प्रभावित नहीं करेंगे। कंपनी ने बताया कि विज्ञापन केवल वयस्क उपयोगकर्ताओं को ही दिखाए जाएंगे और वह भी तभी, जब चैट के विषय से जुड़ा कोई संबंधित स्पॉन्सर्ड उत्पाद या सेवा उपलब्ध होगी। 18 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ताओं को किसी भी तरह के विज्ञापन नहीं दिखाए जाएंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और राजनीति जैसे संवेदनशील विषयों से जुड़े उत्तरों के आसपास विज्ञापन नहीं लगाए जाएंगे।

ओपनएआई उपयोगकर्ताओं को यह सुविधा भी देगा कि वे जान सकें कि उन्हें कोई विशेष विज्ञापन क्यों दिखाया गया। कंपनी का कहना है कि यूज़र्स की निजता पूरी तरह सुरक्षित रहेगी और उनके चैट डेटा को विज्ञापनदाताओं के साथ साझा नहीं किया जाएगा। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने एक्स पर जानकारी दी कि यह विज्ञापन परीक्षण चेटजीपीटी के फ्री यूज़र्स और हाल ही में लॉन्च किए गए चेटजीपीटी गो प्लान (8 डॉलर प्रति माह) में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई लोग बिना सब्सक्रिप्शन के एआई टूल का इस्तेमाल करना चाहते हैं और विज्ञापन इस सुविधा को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ओपनएआई आने वाले वर्षों में एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक निवेश की योजना बना रहा है। कंपनी की सालाना आय 13 बिलियन डॉलर से अधिक बताई गई है। ओपनएआई का कहना है कि विज्ञापन, सब्सक्रिप्शन और एंटरप्राइज मॉडल के जरिए वह लागत और उपयोगकर्ता पहुंच के बीच संतुलन बनाना चाहता है। शुरुआती ट्रायल के बाद यूज़र्स की प्रतिक्रिया के आधार पर आगे की नीति तय की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डेरिल और फिलिप्स के शतकों से न्यूजीलैंड ने रचा इतिहास, भारत के खिलाफ पहली बार बनाया ये रिकॉर्ड

इंदौर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया, रविवार को इंदौर में तीसरे और आखिरी वनडे में भारत के खिलाफ वनडे में दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी की जिसमें डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स ने शतक लगाए। सीरीज के तीसरे और आखिरी वनडे में जो एक हाई-स्कोरिंग मैच था। मिशेल और फिलिप्स ने उस समय साझेदारी की जब कीवी टीम 58/3 पर थी और उन्होंने चौथे विकेट की साझेदारी में 219 रन बनाए। यह 2022 में ऑकलैंड में भारत के खिलाफ टॉम लैथम और केन विलियमसन की 221 रन की साझेदारी के ठीक पीछे है।

यह पहली बार है जब न्यूजीलैंड के दो बल्लेबाजों ने एक ही वनडे पारी में भारत के खिलाफ शतक बनाए हैं। जबकि मिशेल ने सीरीज का अपना दूसरा शतक (131 गेंदों में 137 रन, 15 चौकों और तीन छक्के) बनाया और फिलिप्स ने सिर्फ 88 गेंदों में 106 रन बनाए जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल थे, उनका स्ट्राइक रेट 120 से ऊपर था।

मिशेल का भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन रहा है और वह हमेशा 'मेन इन ब्लू' के खिलाफ अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहे हैं। उन्होंने 13 मैचों और 11 पारियों में 74.10 की औसत और 93 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 741 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 137 है। ये चार शतक सिर्फ 11 पारियों में आए हैं जिनमें से दो ढ्ढष्ट क्रिकेट विश्व कप 2023 में सेमीफाइनल मुकाबला भी शामिल है। यह वनडे में भारत के खिलाफ कीवी खिलाड़ियों के लिए दूसरा सबसे ज्यादा शतक है जो नाथन एस्टल के 29 पारियों में पांच शतकों को पीछे छोड़ने से सिर्फ दो कम है।

यह भारत में मिशेल का चौथा वनडे शतक है जो एस्टल के साथ न्यूजीलैंड के बल्लेबाज के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। इसके अलावा भारत के खिलाफ कम से कम 500 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में मिशेल का औसत सबसे ज्यादा है। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के जॉर्ज बेली (74), दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज गैरी कर्स्टन (62.6) और जैक्स कैलिस (61.4) और ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा (59.9) हैं।

मिशेल ने तीन पारियों में 176.00 की औसत से कुल 352 रन बनाए हैं, इस सीरीज में उनका स्ट्राइक रेट 110 से ज़्यादा रहा है, जिसमें दो शतक, एक अर्धशतक और बेस्ट स्कोर 137 है। वह इस सीरीज़ में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और तीन मैचों की वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं। कुल मिलाकर पाकिस्तान के बाबर आजम (2016 में वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ 360 रन) और शुभमन गिल (2023 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 360 रन) उनसे आगे हैं।

मैच की बात करें तो भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (3/63) और हर्षित राणा (3/84) की बदौलत भारत ने कीवी टीम को 58/3 पर मुश्किल में डाल दिया था लेकिन मिशेल और फिलिप्स ने 219 रनों की साझेदारी करके जबरदस्त पलटवार किया और शतक बनाए। कप्तान माइकल ब्रेसवेल (18 गेंदों में 28*, जिसमें एक चौका और तीन छक्के शामिल हैं) और क्रिश्चियन क्लार्क (पांच गेंदों में 11 रन, जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल है) ने हैं को 50 ओवर में 337/8 तक पहुंचाया।

लिन चुन यी और आन से यंग बने इंडिया ओपन चैंपियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी ताइपे के लिन चुन यी ने रविवार को यहां 950,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल में अपना पहला सुपर 750 खिताब जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने महिला एकल का खिताब जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

वर्तमान में विश्व में 12वीं रैंकिंग पर काबिज 26 वर्षीय लिन ने पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद शानदार वापसी करते हुए फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 21-10, 21-18 से हराकर पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया। महिला एकल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा चैंपियन आन से यंग ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए चीन की विश्व में नंबर दो खिलाड़ी वांग झियी को 21-13, 21-11 से हराकर सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता।

युगल स्पर्धा में लियू शेंगशु और टैन निंग की चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला जोड़ी ने 58 मिनट तक चले महिला युगल फाइनल में जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त युकी फुकुशिमा और सायका मात्सुमोतो पर 21-11, 21-18 से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया। मिश्रित युगल का ताज थाईलैंड के तीसरी वरीयता प्राप्त डेचापोल पुवारानुक्रोह और सुपिसरा पेवसम्प्रान को मिला, जिन्होंने डेनमार्क के माथियास क्रिस्टियनसेन और एलेक्जेंड्रा बोजे को 19-21, 25-23, 21-18 से हराया।

आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से कहा, बांग्लादेश से विश्वकप मैचों का ग्रुप बदलने तैयार नहीं

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में अपने विश्वकप मैच खेलने के इंकार करते हुए किसी अन्य देश में ये मैच कराने की अपील की थी जिसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ठुकरा दिया था। वहीं इसके बाद बीसीबी ने आईसीसी से अपील की थी कि उसके ग्रुप को आयरलैंड के साथ बदल दिया जाये पर यहां भी उसे झटका लगा है क्योंकि आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से साफ कहा दिया है कि वह ग्रुप बदलने को तैयार नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट आयरलैंड (सीआई) ने कहा है कि आईसीसी उनके मैचों को श्रीलंका से बाहर नहीं रखे।

सीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'आईसीसी ने हमसे साफ कहा है कि कार्यक्रम में बदलाव नहीं होगा। हम अपने ग्रुप स्तर के मैच श्रीलंका में ही खेलेंगे।'

गौरतलब है कि टी20 विश्वकप 2026 में आयरलैंड ग्रुप बी में है, जिसमें उसे ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ रखा गया हैं। आयरलैंड को अपने सभी ग्रुप स्तर के मैच मैच श्रीलंका में खेलने हैं। इसमें पहले तीन मैच कोलंबो जबकि अंतिम पालेकेले में खेला जाएगा। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश करे ग्रुप सी में रखा गया है। जिसमें इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली की टीमें शामिल हैं। बांग्लादेश को कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मैच खेलना है।

बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया कि उसकी टीम को ग्रुप सी में आयरलैंड के साथ बदल दिया जाए जिससे वह भारत की जगह श्रीलंका में अपने मैच खेल सके। वहीं आईसीसी की दो सदस्यीय टीम, जिसमें गौरव सक्सेना (जनरल मैनेजर, इवेंट्स एंड कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन) और एंड्र्यू एफग्रेव (जनरल मैनेजर, इंटीग्रिटी यूनिट) शामिल थे, ने बीसीसी को मूल कार्यक्रम में ही बने रहने को लेकर समझाया।

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम घोषित की

फुलमाली, श्रेयंका की वापसी, कमलिनी और वैष्णवी पहली बार शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले माह होने वाली टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 15 फरवरी से होने वाले इस दौरे में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 3 टी20 और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा दौनो ही टीमें एक टेस्ट भी खेलेंगी। टेस्ट टीम की घोषणा अभी नहीं हुई है। इस दौरे से दोनो ही टीमों का टी20 विश्वकप की तैयारी का भी अच्छा अनुभव मिलेगा। इस दौरे में नये खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। टी20 टीम में भर्ती फुलमाली की वापसी है हुई है। फुलमाली को साल 2019 के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किय गयाहै। इसके अलावा युवा ऑफ-स्पिनर श्रेयांका पाटिल को भी टीम में जगह मिली है। वहीं एकदिवसीय दल में भी युवाओं को अवसर मिले है। 17 साल की विकेटकीपर जी कमलिनी और स्पिनर वैष्णवी शर्मा को पहली बार टीम में जगह मिली है। इसके अलावा काशवी गौतम को भी शामिल किया गया है पर अरुंधति रेड्डी को एकदिवसीय व रधा यादव को एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप में भी शामिल नहीं किया गया है। हरलीन देओल को एकदिवसीय टीम में बनाये रखा गया है पर उन्हें टी20 से बाहर कर दिया गया है।

टी20 टीम इस प्रकार है

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, भर्ती फुलमाली, श्रेयांका पाटिल।

एकदिवसीय

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), काशवी गौतम, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल।

अब अगले छह बाद ही खेलते दिखेंगे विराट और रोहित

राजकोट ।भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली अब अगले छह महीने बाद ही अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलते हुए दिखेंगे ।इसका कारण ये है कि ये दोनो ही अब केवल एकदिवसीय में ही खेलते है ।वहीं भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के छह माह बाद ही एकदिवसीय प्रारुप में खेलने उतरेगी ।साल 2026 टी20 विश्व कप और 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद ही भारतीय टीम को अब एकदिवसीय सीरीज खेलनी है ।तब तक के लिए विराट और रोहित को भी आराम मिल गया है ।अब जून में अफगानिस्तान की टीम तील एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर पहुंचेगी ।तभी विराट और रोहित के पास मैदान में उतरने का अवसर रहेगा हालांकि ये भी देखना होगा कि इन दोनो को इस सीरीज के लिए शामिल किया जाता है या नहीं ।वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी ।यहां भी 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज होनी है ।इसके बाद भारतीय टीम को सितंबर में बांग्लादेश जाना है हालांकि दोनो देशों के बीच तनावपूर्ण हालातों को देखते हुए ये दौरा शायद ही हो पाये ।सितंबर में ही भारतीय टीम वेस्टइंडीज का दौरा करेगी जहां 3 मैचों एकदिवसीय सीरीज होगी ।इसके बाद अक्टूबर–नवंबर में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड जाना है ।

आर्यना सबालेंका ने फेडरर और रॉड लेवर के साथ 'परफेक्ट' सेल्फी ली

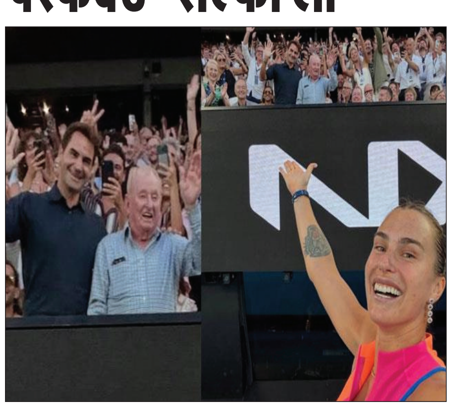

मेलबर्न ।अपने 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन कैंपेन की शुरुआत करने के लिए आर्यना सबालेंका ने वेन्यू पर टिएंट्सोआ राकोतोमंगा राजाओना पर 6–4, 6–1 से जीत के लिए दो बहुत खास मेहमानों को बुलाया था। वे मेहमान 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोजर फेडरर और खुद रॉड लेवर। सबालेंका जानती थीं कि उन्हें उस ऑस्ट्रेलियन लेजेंड और 11 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन के सामने एक मजबूत परफॉर्मेंस देनी होगी, जिनके नाम पर उस कोर्ट का नाम रखा गया है ।उन्हें यह भी पक्का पता था कि वे मौजूद हैं, क्योंकि उन्हें वीडियो स्क्रीन पर हाइलाइट किया गया था और वे फ्रंट रो में भी बैठे थे । सबालेंका ने मुस्कुराते हुए रिपोर्ट्स से कहा, 'मैं बहुत बड़ी फैन हूं। पूरे मैच में मैं खुद से कह रही थी' प्लीज़, वहां मत देखो। मत देखो।'यह अविश्वसनीय है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि रोजर फेडरर और रॉड लेवर मेरे मैच की पहली रो में बैठेंगे। यह अविश्वसनीय है। 'मैं बस अपने गेम से रोजर को इम्प्रेस करना चाहती थी। मैं बस ट्वीनर नहीं कर पाई, लेकिन कोई बात नहीं। अगली बार।' कोर्ट पर मैच के बाद अपने इंटरव्यू में, सबालेंका ने एक आसान सी रिक्वेस्ट की : 'मैं बहुत बड़ी फैन हूं दोस्तों, क्या मैं आपके साथ एक फोटो ले सकती हूं प्लीज।' सबालेंका अपना एक्साइटमेंट छिपा नहीं सकीं। उन लीजेंड्स ने उनकी बात मान ली और वर्ल्ड नंबर 1 को परफेक्ट फोटो मिल गई।

इंडिया ओपन में मैच के दौरान गिरा मलबा, बाल-बाल बची महिला खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जा रहे इंडिया ओपन सुपर 750 में महिलाओं के युगल सेमीफाइनल के दौरान कोर्ट नंबर 1 पर मलबा गिरने के बाद खेल को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। इसके बाद इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की जांच की जा रही है।

यह घटना शनिवार को टॉप सीडेड चीनी जोड़ी लियू शेंगशु और टैन निंग और छठी सीडेड दक्षिण कोरियाई जोड़ी बेक हा ना और ली सो ही के बीच सेमीफाइनल के दौरान हुई। जब लियू पहले गेम में 6-3 पर सर्व करने की तैयारी कर रही थीं, तो ऊपर से मलबा खेलने की सतह पर गिर गया जिससे तुरंत खेल रोकना पड़ा। लियू ने अविश्वास के साथ मुस्कुराते हुए चेयर अंपायर की ओर इशारा किया जबकि चिंतित दोनों जोड़ियां कोर्ट से बाहर चली गईं।

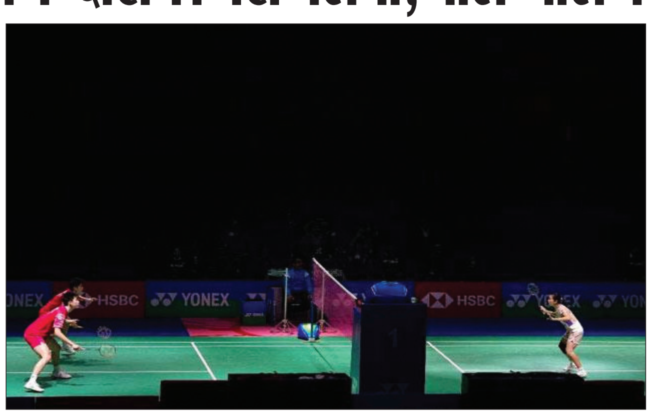

चेयर अंपायर ने सफाईकर्मियों को बुलाया और खेल फिर से शुरू होने से पहले सफाई में कई मिनट लगे। इस घटना ने टूर्नामेंट स्थल की जांच को और तेज कर दिया है, क्योंकि पहले से ही खिलाड़ियों ने परिसर में स्वच्छता और समग्र बुनियादी ढांचे को लेकर आलोचना की जा रही है।

सप्ताह की शुरुआत में कई एथलीटों ने कोर्ट पर पक्षियों की बीट, गैर-खेल क्षेत्रों में गंदगी और स्टेडियम परिसर के अंदर आवारा जानवरों की उपस्थिति के बारे में चिंता जताई थी। कथित तौर पर दर्शक दीर्घाओं में बंदर भी देखे गए जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गईं। हवा की गुणवत्ता एक और प्रमुख चर्चा का विषय रही है, कुछ खिलाड़ियों को दिल्ली की सर्दियों की धुंध और ठंडी परिस्थितियों से जूझना पड़ा।

डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट उन लोगों में से थीं जिन्होंने असुविधा व्यक्त की, प्रदूषण और निम्न-मानक परिवेश के संयोजन को प्रदर्शन और रिकवरी को प्रभावित करने वाले कारकों के रूप में बताया। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने बाद में फीडबैक को स्वीकार किया जिसमें कहा गया कि धुंध और ठंड जैसे मौसमी कारक चुनौतियां पेश करते हैं लेकिन इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स परिसर पिछले केडी जाधव स्टेडियम की तुलना में एक महत्वपूर्ण अपग्रेड था।

BWF ने यह भी कहा है कि बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (BAI) ने मुद्दों को उठाए जाने के बाद सफाई, स्वच्छता और पशु नियंत्रण में सुधार सहित सुधारात्मक उपाय किए हैं। आश्वासनों के बावजूद शनिवार की घटना ने भारत के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन आयोजनों में से एक में तैयारियों और मानकों पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेषकर जब नई दिल्ली इस साल के आखिर में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला है।

डोमिनेंट वेदांता कलिंगा लांसर्स ने एसजी पाइपर्स को 6–1 से हराया

भुवनेश्वर ।वेदांता कलिंगा लांसर्स ने शनिवार को एसजी पाइपर्स पर 6–1 की शानदार जीत के साथ पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (HIL) के भुवनेश्वर लेग की शुरुआत की। आज यहां कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेलते हुए, लांसर्स ने अपनी जीत का सिलसिला पांच मैचों तक बढ़ा दिया, जिससे यह साबित हो गया कि इस सीजन में उन्हें हराना मुश्किल है ।बॉबी सिंह धामी को शानदार प्रदर्शन के लिए के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिसने पूरी शाम पाइपर्स के डिफेंस को बैकफुट पर रखा ।मैच में कूपर बर्न्स ने (आठवें', 23वें) और अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने (39वें, 56वें) मिनट में दो–दो गोल किए, जबकि क्रेग माराइस ने (10वें) और अंगद सिंह ने (54वें) मिनट में एक–एक गोल करके जीत को पक्का किया ।केवाई विलियट ने पाइपर्स के लिए एकमात्र गोल किया ।मैच की शुरुआत में लांसर्स ने गेंद पर कंट्रोल रखा और आत्मविश्वास के साथ गेंद को आगे बढ़ाया ।यह दबाव 8वें मिनट में रंग लाया जब कूपर बर्न्स ने गोल करके अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। सिर्फ दो मिनट बाद, एक शानदार पासिंग सीक्वेंस ने क्रेग माराइस को बढ़त को दोगुना करने का मौका दिया ।हालांकि, पाइपर्स ने लगभग तुरंत जवाब दिया ।11वें मिनट में, कप्तान जरमनप्रीत सिंह ने केवाई विलियट को पास दिया, जिन्होंने शानदार फिनिश करके स्कोर 2–1 कर दिया ।पाइपर्स को देर से एक पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बावजूद, लांसर्स का डिफेंस मजबूत बना रहा और पहले क्वार्टर के अंत में बढ़त बनाए रखी ।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत रहेगा मजबूत दावेदार : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर दिनेश कार्तिक का मानना है कि डिफेंडिंग चैंपियन भारत आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में एक बार फिर मजबूत दावेदार के रूप में उतरेगा। टीम की गहराई, आक्रामक खेलने की शैली और घरेलू परिस्थितियों में शानदार रिकॉर्ड को इसकी सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कार्तिक ने कहा कि भारत को अपने घर में हराना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। टूर्नामेंट शुरू होने में एक महीने से भी कम समय बचा है और यह प्रतियोगिता 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेली जाएगी।

एक चैनल से बातचीत में दिनेश कार्तिक ने कहा कि भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी विशेषता उसकी बेंच स्ट्रेंथ है। उनके मुताबिक भारत ऐसी स्थिति में है कि वह लगभग दो मजबूत टीमें उतार सकता है। कार्तिक ने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय टीम काफी हद तक नई है, जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल नहीं हैं, लेकिन सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में युवा टीम ने बेहद आक्रामक और प्रभावशाली क्रिकेट खेला है। वहीं पूर्व वेस्टइंडीज क्रिकेटर इयान बिशप ने भी भारत की तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि डिफेंडिंग चैंपियन होना अपने आप में दबाव जरूर लाता है, लेकिन अगर तैयारी सही हो तो यह एक बड़ा फायदा बन सकता है। बिशप के अनुसार, इतिहास हमेशा निर्णायक नहीं होता, लेकिन भारत ने पिछले वर्ल्ड कप के बाद जिस तरह की तैयारी की है, उससे उसे बढ़त जरूर मिलेगी। उन्होंने यह भी चेताया कि फरवरी-मार्च के दौरान भारत और श्रीलंका में ओस एक बड़ा फैक्टर साबित हो सकती है, जो मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाती है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने टी20 क्रिकेट की लोकप्रियता पर बात करते हुए कहा कि यह फॉर्मेट दुनिया भर में तेजी से पसंद किया जा रहा है। उनके अनुसार, टी20 वर्ल्ड कप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं बल्कि एक बड़ा मंच है, जहां दबाव में प्रदर्शन करके खिलाड़ी खुद को वैश्विक स्तर पर साबित करते हैं। ग्रुप ए में भारत को पाकिस्तान, यूएसए, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ रखा गया है। भारत 7 फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में यूएसए के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जबकि पाकिस्तान से उसका बहुप्रतीक्षित मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो में खेला जाएगा।

तीसरे एकदिवसीय के लिए बेहद महंगा वाटरप्यूरीफायर लेकर इंदौर आये हैं शुभमन

इंदौर ।भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज यह यहां के होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले तीसरे व अंतिम एकदिवसीय मैच के लिए प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। दोनो ही टीमें इस मैच के लिए पूरी तरह से तैयार हैं ।सीरीज में दोनो ही टीमें 1–1 से बराबरी पर होने के कारण इस मैच में कड़े मुकाबले की संभवना है। इस बार मैच में खेल से अधिक खिलाड़ी पानी को लेकर सावधानी बरत रहे हैं क्योंकि हाल में यहां कई लोगों की खराब पानी पीने से मौत हुई है। इसी को देखते हुए भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल एक महंगा वॉटर प्यूरीफायर लेकर पहुंचे ।इसकी खासियत ये है कि ये सादे पानी को ही नहीं, बल्कि आरओ और पैकेज्ड वॉटर को भी पूरी तरह से साफ बना देता है जिससे किसी प्रकार के संक्रमण का खतरा नहीं रहता हालाकि भारती टीम इंडिया जिस शहर में रुकती है वह शीर्ष स्तर का होता है।शुभमन इसके बाद भी कोई जोखिम लेकर नहीं लेना चाहते हैं। भारतीय टीम के साथ हमेशा एक रसोईया भी रहता है, जो अलग–अलग खिलाड़ियों की डाइट के अनुसार खाना तैयार करता है। खिलाड़ियों को अच्छी डाइट उनके अच्छी फिटनेस के लिए मिले, इसके लिए बीसीसीआई हर मैच के लिए एक रसोईया भेजती है, जो होटल में ही रहकर खिलाड़ियों के लिए खाना तैयार करते हैं। इससे साफ होता है कि जितने खिलाड़ी अपनी सेहत को लेकर सजग रहते हैं, उतना ही भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) भी खिलाड़ियों का सहयोग करती है।

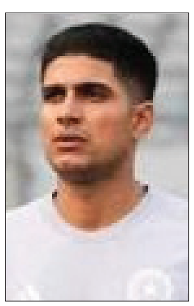

भारत का फीफा विश्व कप खेलने का सपना अब भी जीवंत है: अनुभवी डिफेंडर आशालता देवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला फुटबॉल की दिग्गज खिलाड़ी आशालता देवी का कहना है कि फीफा महिला विश्व कप में देश को खेलते हुए देखने का सपना अब भी जीवंत है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ अंतर को पाटने के लिए जमीनी स्तर पर निरंतर प्रगति महत्वपूर्ण है।

आशालता ने पीटीआई वीडियो से कहा, 'विश्व कप में खेलने का हमारा सपना अभी भी जीवित है। हमें इस समय और भी ज्यादा मेहनत करनी होगी।' इस अनुभवी डिफेंडर ने कहा कि तीनों राष्ट्रीय टीमें अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीम एएफसी एशियाई चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं, जिससे 2026 भारत में महिला फुटबॉल के लिए एक निर्णायक वर्ष साबित हो सकता है।

उन्होंने कहा, 'अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीम पहले ही एएफसी (प्रतियोगिताओं) के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। अगर हम वहां अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो जाहिर है कि विश्व कप का हमारा सपना पूरा हो सकता है। हमारा यह सपना अभी भी जीवित है।' भारत की तरफ से 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली आशालता ने कहा कि सीनियर टीम लगातार अच्छी प्रगति कर रही है लेकिन अभी वह विश्वस्तरीय मानकों से काफी पीछे है। उन्होंने कहा, ''हम लंबे समय से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन फिर भी विश्वस्तरीय मानकों तक नहीं पहुंचे हैं। मुझे खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहेंगे।'

आशालता ने कहा कि खेल की जमीनी स्तर पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'समस्या यह है कि हम बुनियादी बातों को छोड़ देते हैं और सीधे तकनीकी पहलुओं पर चले जाते हैं। मैंने 13 साल की उम्र में फुटबॉल खेलना शुरू किया था। अब कई खिलाड़ी 10 या 11 साल की उम्र में शुरू करते हैं। लेकिन अगर हम 5-6 साल की उम्र में शुरू करें तो खेल की बारीकियां अच्छी तरह से सीख सकते हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

गगन थापा को पीएम पद का चेहरा बनाएगी नेपाली कांग्रेस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली कांग्रेस आगामी चुनाव में गगन थापा को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में सामने रखकर लड़ने की तैयारी में है। पार्टी के उपसभापति विश्वप्रकाश शर्मा ने यह बात सार्वजनिक रूप से कही है। शर्मा ने यह प्रतिक्रिया निर्वाचन आयोग के विशेष महाधिवेशन से चुनी गई गगन थापा नेतृत्व वाली कार्यसमिति को पार्टी की आधिकारिक इकाई के रूप में मान्यता दिए जाने के बाद दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लाइव संबोधन में कहा कि अब पार्टी को आंतरिक विभाजन से ऊपर उठकर एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। उनका कहना था कि विशेष महाधिवेशन के समर्थन में हस्ताक्षर करने या न करने के आधार पर पार्टी के भीतर कोई दूरी या गुटबंदी नहीं रहनी चाहिए। अब समय आ गया है कि सभी साथियों को साथ लेकर कांग्रेस को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा। उपसभापति शर्मा ने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी आगे चलकर युवाओं, विशेष रूप से जेन-जी आंदोलन द्वारा उठाए गए सुशासन के मुद्दों को गंभीरता से संबोधित करेगी। उन्होंने कहा, परिवर्तन वही ला सकता है, जो खुद बदलने के लिए तैयार हो।

ब्राजील : बोल्सोनारो को बेहतर सुविधाओं वाली सेल में भेजा

रियो दि जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को ब्रासीलिया स्थित फेडरल पुलिस मुख्यालय से पापुडा पेनिटेंटियरी कॉम्पलेक्स की अधिक बड़ी और आरामदायक सेल में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। 54 वर्ग मीटर की नई सेल है और में 10 वर्ग मीटर का खुला क्षेत्र है। अदालत ने इसे उच्च-प्रोफाइल कैदियों के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियों वाला कदम बताया। बोल्सोनारो 2022 चुनाव हार के बाद तख्तापलट की कोशिश के मामले में 27 साल की सजा काट रहे हैं।

कैलिफोर्निया से वोटर डाटा मांगने का ट्रंप प्रशासन का केस खारिज

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने कैलिफोर्निया से 2.3 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं का विस्तृत व्यक्तिगत डेटा मांगने वाले ट्रंप प्रशासन के मुकदमे को खारिज कर दिया। जज डेविड ओ. कार्टर ने इसे अवैध बताया। उन्होंने कहा कि ट्रंप की मांग पर अधिकार कार्यपालिका मनमाने ढंग से नहीं ले सकती और ऐसा कदम मतदाता पंजीकरण पर नकारात्मक असर डाल सकता है। अदालत के अनुसार, निजी जानकारी को केंद्र में इकट्ठा करना लोकतंत्र के लिए खतरा है। न्यायाधीश ने कहा कि बिना कांग्रेस की अनुमति ऐसा करना स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की भावना के खिलाफ है।

पाकिस्तान : नेशनल असेंबली में अचकजई नेता प्रतिपक्ष नियुक्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में शुक्रवार को वरिष्ठ पख्तून कबाइली नेता महमूद खान अचकजई को नेशनल असेंबली में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया गया। यह पद गत वर्ष अगस्त से खाली था। अचकजई को पीटीआई प्रमुख इमरान खान ने नामित किया था।

द. अफ्रीकी देशों में भारी बारिश- बाढ़ से 100 से ज्यादा मौतें

हरारे, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के कई देशों में मूसलाधार बारिश और विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। दक्षिण अफ्रीका, मोजाम्बिक और जिम्बाब्वे में अब तक 100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मोजाम्बिक सबसे अधिक प्रभावित है, जहां बिजली गिरने, डूबने और हैजा जैसी बीमारियों से 103 मौतें हुई हैं। मोजाम्बिक में 2 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। जिम्बाब्वे में भी इस साल की शुरुआत से अब तक 70 लोगों की मृत्यु हुई है और 1,000 से ज्यादा घर तबाह हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के उत्तरी प्रांतों में 19 मौतें दर्ज की गई हैं।

इस्पात उद्योगपति लक्ष्मी निवास मित्तल के पिता का निधन

लंदन , एजेंसी। इस्पात उद्योगपति लक्ष्मी निवास मित्तल का 99 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। लक्ष्मी निवास मित्तल ने अपने पिता श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उनके 'प्रिय पिता' का गुरुवार शाम को लंदन में परिवार के बीच शांति से निधन हुआ। वह अपने 100वें जन्मदिन से केवल कुछ महीने दूर थे। उन्होंने कहा, मेरे पिता असाधारण व्यक्ति थे। उनका मजबूत धार्मिक विश्वास और मेहनत का नजरिया पूरे जीवन उनके साथ रहा। उनका जन्म राजस्थान के छोटे गांव राजगढ़ में एक साधारण परिवार में हुआ था। वे हमेशा परिस्थितियों का सबसे अच्छा उपयोग करना जानते थे और मानते थे कि मेहनत ही आमतौर पर हर समस्या का हल है।

ट्रम्प की ग्रीनलैंड को लेकर दूसरे देशों को धमकी: कहा- कब्जे से रोका तो टैरिफ लगाऊंगा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने को लेकर खुली धमकी दी है। बीबीसी के मुताबिक, ट्रम्प ने कहा कि अगर किसी देश ने ग्रीनलैंड पर कब्जे वाले प्लान में उनका साथ नहीं दिया तो वे उन देशों पर टैरिफ लगाएंगे। ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बैठक के दौरान यह बयान दिया। हालांकि, ट्रम्प ने साफ नहीं किया कि किन देशों पर टैरिफ लगाया जाएगा और इसके लिए वह किस कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करेंगे।

ट्रम्प ने बताया कि अमेरिका ग्रीनलैंड को लेकर नाटो से भी बातचीत कर रहा है। ट्रम्प पहले भी कह चुके हैं कि नाटो को अमेरिका का साथ देना चाहिए। अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर कंट्रोल नहीं किया, तो रूस या चीन वहां अपना असर बढ़ा सकते हैं, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ट्रम्प की टैरिफ धमकी के बाद व्हाइट हाउस ने ट्रम्प की तस्वीर सोशल मीडिया ङ्ग पर शेयर की। इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा था- मिस्टर टैरिफ।

ट्रम्प बोले- गोल्डन डोम प्रोजेक्ट के लिए ग्रीनलैंड जरूरी : ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को गोल्डन डोम नामक बड़े रक्षा प्रोजेक्ट के लिए भी अहम बताया है। गोल्डन डोम अमेरिका का मिसाइल डिफेंस प्रोजेक्ट है। यह इजराइल के आयरन डोम से प्रेरित है। गोल्डन डोम का मकसद चीन, रूस जैसे देशों से आने वाले खतरे से

अमेरिका को बचाना है।

अमेरिकी संसद की टीम ग्रीनलैंड पहुंची : ट्रम्प के बयान के वक्त अमेरिकी संसद का एक द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल ग्रीनलैंड के दौरे पर था। इस 11 सदस्यीय टीम का नेतृत्व डेमोक्रेट सीनेटर क्रिस कून्स कर रहे हैं। इसमें रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस और लिसा मर्कोव्स्की भी शामिल हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने ग्रीनलैंड के सांसदों के अलावा डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन से मुलाकात की। टीम का मकसद स्थानीय लोगों की बात सुनना और वॉशिंगटन में तनाव कम करना है। सीनेटर कून्स ने कहा, 'हम ग्रीनलैंड के लोगों की सुन रहे हैं और उनकी राय लेकर वापस जाएंगे, ताकि स्थिति शांत हो।' ग्रीनलैंड की सांसद आजा चेमनित्ज ने कहा, 'हमें दोस्तों और सहयोगियों की जरूरत है। अमेरिका 2019 से दबाव बना रहा है। यह एक लंबी दौड़ है, जो अभी खत्म नहीं हुई। जितना ज्यादा समर्थन मिले, उतना अच्छा।' उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मुलाकात फायदेमंद साबित होगी।

ग्रीनलैंड को लेकर दो गुट में बंटे अमेरिकी सांसद : अमेरिकी सीनेटर मर्कोव्स्की ने ग्रीनलैंड को जबरन लेने के खिलाफ संसद में एक बिल पेश किया है। वहीं, एक रिपब्लिकन सांसद ने ग्रीनलैंड को जोड़ने के पक्ष में दूसरा बिल पेश किया। ट्रम्प के विशेष दूत जेफ लैंड्री ने फॉक्स न्यूज को बताया कि अमेरिका को ग्रीनलैंड के नेताओं से सीधे बात करनी चाहिए, न कि डेनमार्क से। उन्होंने कहा, 'ट्रम्प गंभीर हैं। जल्द ही सौदा हो जाएगा।' बुधवार को डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोक्के रासमुसेन और ग्रीनलैंड की विदेश मंत्री विवियन मोट्जफेल्ट ने व्हाइट हाउस में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की थी। एक डेनिश अधिकारी ने बीबीसी से कहा कि सैन्य कार्रवाई की कोई बात नहीं हुई, लेकिन ट्रम्प के बयानों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

ग्रीनलैंड पर चर्चा के लिए वर्किंग ग्रुप बनेगा : व्हाइट हाउस में बुधवार को हुई बातचीत में डेनमार्क, ग्रीनलैंड और अमेरिका के बीच कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ। हालांकि, बैठक के बाद तीनों पक्षों ने ग्रीनलैंड से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए एक संयुक्त वर्किंग ग्रुप बनाने पर सहमति जताई, जिसकी बैठकें आने वाले हफ्तों में होंगी। रासमुसेन ने साफ कहा कि अमेरिका के साथ असहमति बनी हुई है। हमारा रुख काफी अलग है। उन्होंने ट्रम्प के ग्रीनलैंड को खरीदने या कब्जा करने के विचार को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा, 'हमने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि यह डेनमार्क के हित में नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश आर्कटिक में सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार हैं। इसमें ग्रीनलैंड में ज्यादा अमेरिकी सैन्य अड्डे बनाने की संभावना भी शामिल है।

यूरोपीय देश डेनमार्क के समर्थन में आए, सैनिक भेज रहे : यूरोपीय देशों ने डेनमार्क के समर्थन में कदम बढ़ाए हैं। फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन, नॉर्वे, फिनलैंड, नीदरलैंड और ब्रिटेन ग्रीनलैंड में एक निगरानी मिशन के तहत सीमित संख्या में सैनिक भेज रहे हैं। जर्मन विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने में डेनमार्क का समर्थन करने के लिए 13 लोगों की एक टीम भेजेगा। वहीं, स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने बुधवार को कहा कि डेनमार्क के कहने पर स्वीडिश आर्म्ड फोर्स के कई अधिकारियों को एक सैन्य अभ्यास में शामिल होने के लिए ग्रीनलैंड भेजा गया है। ट्रम्प बोले- संधि या लीज नहीं, ग्रीनलैंड पर पूरा कंट्रोल चाहिए ट्रम्प का कहना है कि रूसी और चीनी जहाजों की मौजूदगी के कारण ग्रीनलैंड अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि सिर्फ संधि या लीज से काम नहीं चलेगा, बल्कि पूरा कंट्रोल चाहिए। इससे और सुविधाएं मिलेंगी।

'शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे लोगों को हिरासत में नहीं ले सकते', मिनेसोटा की अदालत का आदेश; ट्रंप को झटका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा की एक अदालत ने शुक्रवार को अहम आदेश पारित किया। इस आदेश के तहत शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को संघीय अप्रवासन अधिकारी न तो हिरासत में ले सकते हैं और न ही उनके खिलाफ टियर गैस का इस्तेमाल कर सकते हैं। अमेरिका की डिस्ट्रिक्ट जज केट मेनडेज ने यह आदेश दिया। मिनेसोटा के छह सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दिसंबर में इसे लेकर याचिका दायर की थी, जिस पर अब अदालत ने आदेश सुनाया है।

अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा अप्रवासन विभाग

ट्रंप प्रशासन में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है और उन्हें पकड़कर निर्वासित करने की प्रक्रिया चल रही है। मिनियापोलिस के सेंट पॉल इलाके में भी दिसंबर की शुरुआत से ही अवैध अप्रवासियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसका लोगों द्वारा विरोध भी किया जा रहा है। अमेरिकी सिविल लिबर्टीज यूनियन ऑफ मिनेसोटा के कार्यकर्ताओं द्वारा अप्रवासन विभाग की कार्रवाई का विरोध किया जा रहा है।

इस संगठन का कहना है कि अप्रवासन विभाग के अधिकारी लोगों को संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रहे हैं। वहीं सरकारी

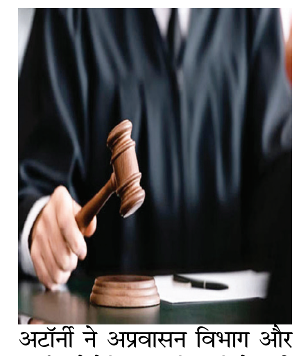

अटॉर्नी ने अप्रवासन विभाग और बॉर्डर पेट्रोलिंग अधिकारियों की कार्रवाई का समर्थन किया और कहा कि ये अधिकारी कानून के तहत ही काम कर रहे हैं।

अप्रवासन विभाग के एजेंटों की गोली से हुई थी महिला की मौत : मिनेसोटा में अप्रवासन विभाग की कार्रवाई का मिनेसोटा के डेमोक्रेट गवर्नर टिम वाल्ज और मिनियापोलिस के मेयर जैकब फ्रे द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है। बीते दिनों मिनियापोलिस में ही अप्रवासन विभाग के एजेंटों द्वारा रेनी निकोल गुड नामक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद से मिनियापोलिस में व्यापक आक्रोश और शोक के माहौल है। मिनियापोलिस और सेंट पॉल में अप्रवासन विभाग की कार्रवाई को निलंबित करने की मांग को लेकर भी अदालत में याचिका दायर की गई है, जिस पर भी जल्द सुनवाई हो सकती है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव का महासभा के अंतिम संबोधन में वैश्विक संकटों का जिक्र, बोले- तत्काल सुधार जरूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व निकाय प्रमुख एंतोनियो गुटेरस ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधारों के लिए आगे आने को कहा। उन्होंने चेताया कि जो वैश्विक ताकतें आज विशेषाधिकारों से चिपकी रहेंगी, उन्हें भविष्य में इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत दशकों से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग कर रहा है, जिसमें इसके स्थायी और अस्थायी दोनों वर्गों का विस्तार शामिल है। गुटेरस ने इन्हीं बातों को 193 सदस्यीय महासभा में कहा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के महासचिव ने अंतिम महासभा संबोधन में वैश्विक संकटों का उल्लेख करते हुए कहा, सुधार उन सभी वैश्विक संस्थानों में होना चाहिए जो आज की दुनिया को प्रतिबिंबित करते हों। गुटेरस बोले, 1945 के समस्या-समाधान से 2026 की समस्याएं हल नहीं होंगी। यदि संरचनाएं हमारी वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं, तो वे वैधता खो देंगी। यूएन महासचिव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार उतना ही आवश्यक है, जितना कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की शक्ति संरचनाओं को अद्यतन करना।

सुधार महत्वपूर्ण नहीं अनिवार्य हैं : गुटेरस ने कहा, हमारी संरचनाएं इस बदलती दुनिया को प्रतिबिंबित करना चाहिए। इसीलिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय-व्यापारिक संस्थानों में सुधार न सिर्फ महत्वपूर्ण है, बल्कि यह अनिवार्य है। उन्होंने कहा, यही बात सुरक्षा परिषद पर भी लागू होती है। गुटेरस ने इस बात पर जोर दिया कि सुधारों में सबसे आगे रहना उन लोगों के हित में है जिनके पास सबसे अधिक शक्ति है। हम सभी को बदलाव के लिए पर्याप्त साहसी होना चाहिए। दुनिया इंतजार नहीं कर रही, हमें भी नहीं करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कुछ देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून का खुलेआम उल्लंघन करने की निंदा करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर कोई ऐसा मेन्यू (व्यंजन सूची) नहीं है, जिसमें से अपनी पसंद का नियम चुना जा सके। गुटेरस ने कहा, जब नेता अपनी सुविधा के हिसाब से यह चुनते हैं कि किस नियम को मानना है और किसे नहीं तो वे दुनिया की व्यवस्था को कमजोर करते हैं और एक बेहद खतरनाक मिसाल कायम करते हैं।

गाजा का पुनर्निर्माण करने वाले बोर्ड में टोनी ब्लेयर भी शामिल

गाजा , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में संघर्ष विराम के लिए 20 बिंदुओं वाला एक प्रस्ताव पेश किया था। अब उस प्रस्ताव को लागू करने के लिए ट्रंप ने 'बोर्ड ऑफ पीस' में ब्रिटेन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेयर और अपने दामाद जेरेड कुशनर को शामिल किया है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को बताया कि टोनी ब्लेयर बोर्ड के संस्थापक सदस्यों में से एक होंगे। अन्य संस्थापक सदस्यों में जेरेड कुशनर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ट्रंप के पश्चिम एशिया में विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को शामिल किया गया है। टोनी ब्लेयर 1997 से लेकर 2007 तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद पर रहे। उनके ही नेतृत्व में इराक युद्ध में ब्रिटेन शामिल हुआ था। पीएम पद छोड़ने के बाद टोनी ब्लेयर अंतरराष्ट्रीय शक्तियों अमेरिका, यूरोपीय संघ, रूस और यूएन के पश्चिम एशिया में विशेष दूत के

रूप में काम कर चुके हैं।

क्या है ट्रंप का बोर्ड ऑफ पीस और ये कैसे काम करेगा : बोर्ड के अन्य सदस्यों में अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के सीईओ मार्क रोवेन, वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष अजय बांगा, अमेरिका के उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल का नाम शामिल किया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बोर्ड के अध्यक्ष होंगे। व्हाइट हाउस ने कहा कि बोर्ड के सदस्य गाजा में स्थिरता लाने और दीर्घकालिक विकास योजना पर काम करेंगे। जिसमें शासन क्षमता निर्माण, क्षेत्रीय संबंध, गाजा में पुनर्निर्माण, निवेश, वित्तपोषण और पूंजी जुटाने का काम करेंगे।

बोर्ड ऑफ पीस के अलावा एक अलग फलस्तीनी टेक्नोक्रेटिक समिति भी बनाई गई है। इस 15 सदस्यीय समिति का नाम नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन है, जो गाजा में प्रशासन का काम देखेगी।

फलस्तीनी अथॉरिटी के पूर्व डिप्टी पीएम अली साथ इस एनसीएजी के अध्यक्ष होंगे। साथ ही बुल्गारिया के नेता और पश्चिम एशिया में यूए के विशेष दूत रहे निकोलाई म्लादेनोव इस समिति के सदस्य होंगे। ट्रंप की गाजा में अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बल को तैनात करने की भी योजना है। ये बल फलस्तीनी पुलिस बल को प्रशिक्षित करेगा। अमेरिका के मेजर जनरल जेस्पर जेफर इस अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बल का नेतृत्व करेंगे। अमेरिका की शांति योजना बीते साल अक्तूबर में लागू हुई थी, जिसके चलते गाजा में इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम हुआ। हालांकि अभी भी गाजा के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस शांति योजना के दूसरे चरण में गाजा का पुनर्निर्माण कराया जाएगा और साथ ही हमास का निरशस्त्रीकरण भी कराया जाएगा।

एपस्टीन फाइल्स की रिलीज पर सांसद नहीं कर सकते दखल, न्याय विभाग बोला- कांग्रेस का अधिकार नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चर्चित जेफरी एपस्टीन ट्रैफिकिंग मामले से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने को लेकर बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट (ध्रङ्घ) ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस के सदस्य एपस्टीन फाइल्स की रिलीज प्रक्रिया में अदालत के जरिए हस्तक्षेप नहीं कर सकते।

न्यूयॉर्क के मैनहैटन स्थित शीर्ष संघीय अभियोजक और यूएस अटॉर्नी जे क्लेटन ने एक पत्र के जरिए कहा कि जज के पास यह अधिकार नहीं है कि वह किसी न्यूट्रल एक्सपर्ट या स्पेशल मास्टर की नियुक्ति करें, जो एपस्टीन और गिस्लेन मैक्सवेल से जुड़े

दस्तावेजों की सार्वजनिक रिलीज की निगरानी करे।

दो सांसदों ने लगाए थे आरोप : यह पत्र उस मांग के जवाब में भेजा गया है, जो अमेरिकी सांसद रो खन्ना (डेमोक्रेट) और थॉमस मैसी (रिपब्लिकन) ने की थी। दोनों सांसदों ने आरोप लगाया था कि एपस्टीन फाइल्स की बेहद धीमी रिलीज कानून का उल्लंघन है और इससे पीड़ितों को दोबारा मानसिक आघात पहुंच रहा है। हालांकि, जस्टिस डिपार्टमेंट ने साफ कहा कि ये सांसद इस आपराधिक मामले के पक्षकार नहीं हैं, इसलिए उन्हें अदालत से इस तरह की असाधारण राहत मांगने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। विभाग के मुताबिक, जज पॉल ए. एंगेलमेयर के पास ऐसी नियुक्ति करने का अधिकार ही नहीं है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने संकेत दिए हैं कि वह जल्द ही अदालत को दस्तावेजों की रिलीज को लेकर प्रगति रिपोर्ट सौंपेगा। अमेरिकी न्याय विभाग ने यह भी बताया कि अब तक करीब 12,000 दस्तावेज जारी किए गए हैं, जबकि कुल फाइलों की संख्या 20 लाख से अधिक है। रिलीज की प्रक्रिया इसलिए धीमी है क्योंकि पीड़ितों की पहचान और संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा के लिए कई दस्तावेजों में संशोधन जरूरी है। गौरतलब है कि जेफरी एपस्टीन की 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में मौत हो गई थी, जिसे आत्महत्या बताया गया था। वहीं उसकी करीबी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल को 2021 में नाबालिगों की तस्करी और यौन शोषण में मदद करने के आरोप में 20 साल की सजा सुनाई गई थी।

'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने 1 करोड़ लोगों की जान बचाई: डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोकने वाले दावे को फिर दोहराया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन्हें कम से कम 10 मिलियन (1 करोड़) लोगों की जान बचाने के लिए धन्यवाद दिया। ट्रंप ने दावा किया कि दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच संघर्ष रोककर उन्होंने बड़ा योगदान दिया और इससे वे नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं। ट्रंप ने कहा, 'एक साल में हमने 8 शांति समझौते किए, गाजा युद्ध समाप्त किया और मध्य पूर्व में शांति स्थापित की। भारत-पाकिस्तान जैसे दो परमाणु देशों के बीच लड़ाई रोकना अद्भुत था।' ट्रंप ने मई 2025 से लगातार यह दावा दोहराया है कि उनकी दबाव की वजह से दोनों देशों में शांति बनी।

यह घटना अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से जुड़ी है, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की मौत हुई थी। भारत ने इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए गए। यह अभियान 6 से 10 मई 2025 तक चला, जिसमें भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति दिखाई। 10 मई को पाकिस्तान के डीजीएमओ ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क कर संघर्ष समाप्त करने का अनुरोध किया, जिसके बाद सीजफायर पर सहमति बनी। भारतीय अधिकारियों के अनुसार, यह सीजफायर दोनों देशों के बीच सीधे संपर्क से हुआ, किसी तीसरे पक्ष की भूमिका नहीं थी। भारत ने हमेशा तीसरे देश की मध्यस्थता से इनकार किया है।

शांति का नोबेल पुरस्कार मांग रहे ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप के दावों के बीच एक अन्य घटना में वेनेजुएला की विपक्षी नेता और नोबेल पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना माचाडो ने अमेरिकी राष्ट्रपति को अपना नोबेल पदक भेंट किया, जिसे ट्रंप ने परस्पर सम्मान का अद्भुत इशारा बताया। हालांकि, नॉर्वेजियन नोबेल समिति के अनुसार, एक बार दिया गया पुरस्कार वापस नहीं लिया जा सकता, साझा या हस्तांतरित नहीं किया जा सकता। ट्रंप के बार-बार दोहराए जा रहे दावों पर भारत की ओर से स्पष्ट इनकार है कि कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं था। यह मुद्दा ट्रंप की विदेश नीति उपलब्धियों और नोबेल की मांग से जुड़ा प्रचार बन गया है, जबकि भारत-पाकिस्तान संबंध सीधे द्विपक्षीय प्रयासों पर आधारित रहे।

ईरान में विरोध शांत, इंटरनेट बंदी अब भी जारी; मौलवी ने की फांसी देने की मांग; ट्रंप को दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान में हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद अब सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है, लेकिन सत्ता के गलियारों में गुस्सा और सख्ती बरकरार है। शुक्रवार को एक वरिष्ठ कट्टरपंथी मौलवी ने न सिर्फ गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों को फांसी देने की मांग की, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी खुली धमकी दी।

एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर के अंत में शुरू हुए विरोध प्रदर्शन, जो पहले महंगाई और आर्थिक हालात को लेकर थे, धीरे-धीरे ईरान की धार्मिक सत्ता के खिलाफ खुली चुनौती में बदल गए। सरकार की कड़ी कार्रवाई के बाद अब तेहरान समेत देश के कई हिस्सों में जनजीवन सामान्य दिख रहा है, हालांकि इंटरनेट बंदी अब भी जारी है।

अब तक 3090 लोगों की मौत : अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि कार्रवाई में अब तक कम से कम 3,090 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा ईरान में दशकों में हुए किसी भी आंदोलन से कहीं ज्यादा बताया जा रहा है। हालांकि ईरानी सरकार ने अब तक आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या जारी नहीं की है।

कट्टर मौलवी ने की सजा की चेतावनी : इस बीच, शुक्रवार की नमाज के दौरान कट्टर मौलवी आयतुल्लाह अहमद खातमी ने भड़काऊ भाषण दिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को इस्राइल और अमेरिका का एजेंट बताया और कहा कि हथियार उठाने वालों को मौत की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भी कड़ी सजा की चेतावनी दी।

दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप ने

वॉशिंगटन में बयान देते हुए कहा कि ईरान ने सैकड़ों लोगों को फांसी न देकर सही कदम उठाया है। उन्होंने इसके लिए ईरानी नेतृत्व का आभार भी जताया, जिससे संकेत मिला कि अमेरिका फिलहाल सैन्य कार्रवाई से पीछे हट सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव कम करने की कोशिशें भी तेज हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्राइल दोनों नेताओं से बातचीत की है। वहीं, कई खाड़ी देशों ने अमेरिका को चेताया है कि ईरान में सैन्य हस्तक्षेप से वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान हो सकता है। उधर, ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने आंदोलन जारी रखने की अपील की है और खुद ईरान लौटने का दावा किया है। हालांकि देश के भीतर उन्हें व्यापक समर्थन मिलता नहीं दिख रहा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

मौनी अमावस्या पर हादसा, घने कोहरे के कारण श्रद्धालुओं से भरी जीप पलटी, पांच घायल

देवरिया (एजेंसी)। मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर सरयू नदी में स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं के साथ रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। मईल थाना क्षेत्र के पिपरा रामधर और जोगापुर गांव के समीप घने कोहरे के कारण श्रद्धालुओं से भरी एक जीप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। इस दुर्घटना में जीप सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। मिली जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु सलेमपुर से जीप में सवार होकर बरहज स्नान के लिए निकले थे। सुबह के समय दृश्यता कम होने और घना कोहरा होने के कारण चालक वाहन पर अपना नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोग बचाव के लिए दौड़े। घायलों में लार थाना क्षेत्र के धवरिया निवासी रामप्रवेश चौहान और उनकी पत्नी चुन्नी देवी, जबकि सलेमपुर के रंभा देवी, प्रभुनाथ और उनकी पत्नी गीता देवी शामिल हैं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने प्रभुनाथ और रंभा देवी की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। घटना के बाद से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा और पुलिस प्रशासन को सूचित किया गया।

बिहार में जज की पत्नी को मारी गोली, कोर्ट में आई थी गवाही देने

-पति से चल रहा है तलाक का केस, देवरों समेत चार लोग में किया हमला

पटना (एजेंसी)। बिहार के समस्तीपुर में तैनात जज संतोष कुमार साह की पत्नी वंदना को झारखंड में गोली मारी गई है। उन्हें दो गोली लगी है। वंदना का गोड्डा कोर्ट में पति से तलाक का केस चल रहा है। संतोष कुमार साह पटोरी अनुमंडल में न्यायिक जज हैं। वंदना का कहना है कि वो शनिवार को अदालत से लौट रही थी। इस दौरान बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उसका पीछा किया और अचानक फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वंदना सड़क पर गिर गईं, जबकि हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक गोली मारने वालों में महिला के दो देवर भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन महिला की हालत को देखते हुए उसे भागलपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक वंदना कुमारी हनवारा थाना क्षेत्र के पुराना गांव की रहने वाली है। वंदना ने अपने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसकी सुनवाई गोड्डा कोर्ट में चल रही है। शनिवार को वह मामले में गवाही देने कोर्ट आई थीं। गवाही के बाद शाम में अपने मायके लौटते समय दो बाइक सवारों ने गोली चला दी। एक गोली जबड़े में, दूसरी पीठ में लगी। वंदना ने पुलिस को बताया कि हमलावर चार लोग थे, जिनमें उसके दो देवर भी शामिल हैं। इनमें से एक देवर का नाम गुड्डू साह बताया है।

जम्मू-कश्मीर में दो अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित पदार्थ जब्त, 3 तस्कर गिरफ्तार

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने बडगाम जिले में दो अलग-अलग अभियानों में मादक पदार्थों समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है उनके पास से चार किलोग्राम से ज्यादा प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बडगाम पुलिस ने मागम और हार्डपंजू क्षेत्रों में अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में अवैध पदार्थ बरामद हुआ। मागम में पुलिस की एक टीम ने बटपोरा क्रॉसिंग पर नियमित गश्त के दौरान एक व्यक्ति को पकड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास एक थैला था और पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की, जिससे पुलिस को शक हुआ। उस व्यक्ति को दबोच लिया और तलाशी लेने पर उसके पास से करीब 2.1 किलोग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान बटपोरा निवासी रौफ अहमद हाजम के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक एक अलग अभियान में पुलिस ने बोनिजानिगम गांव में नाका स्थापित किया और जांच में दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका। दोनों ने भागने की कोशिश की लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। उनकी पहचान इरफान अहमद मीर और ओवैस अहमद भट के रूप में हुई जो हरदुलतिना गांव के रहने वाले हैं। जब उनकी तलाशी ली तो उनके पास से 2.185 किलोग्राम चरस जैसी सामग्री बरामद हुई है। पुलिस ने दोनों मामलों में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

कार व ई-रिक्शा में भीषण टक्कर, तीन की मौत, चार गंभीर

हरिद्वार (एजेंसी)। हरिद्वार-लक्सर मार्ग पर फेरूपुर क्षेत्र में कार-ई-रिक्शा की भीषण टक्कर से तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई-रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मृतकों में कार चालक विकास कुमार (फेरूपुर), यात्री चरण सिंह (कलियर, रुड़की) और ई-रिक्शा चालक आस मुहम्मद (नसीरपुर खुर्द, लक्सर) हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतकों के स्वजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरु कर दी है।

संगन स्नान कर लौट रहे परिवार की कार पलटी, एक की मौत पांच घायल

घाटमपुर (एजेंसी)। जहांनाबाद रोड पर नौरंगा गांव के पास रविवार सुबह एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक की मौत हो गई और एक ही परिवार के पांच लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया। यहां से उन्हें कानपुर रेफर कर दिया। बजाया जा रहा है कि चालक को झपकी लगने से हादसा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रावस्ती जिले के थाना कटरा क्षेत्र स्थित मौलाना खासियरी गांव के रहने वाले एक परिवार कार से प्रयागराज संगम स्नान करने गया था। वहां से वे लोग घाटमपुर क्षेत्र में रहने वाले रिश्तेदार के घर आ रहे थे। रविवार सुबह नौरंगा के पास कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। हादसे में कार में सवार चंद्रभान शुक्ला (46), केशरी नंदन (55), मनोज (40), राजन शुक्ला (30), नीतीश कुमार (32), भूरे (33) घायल हुए हैं। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया। यहां से सभी घायलों को कानपुर रेफर कर दिया। जहां पर चंद्रभान की उपचार के दौरान मौत हो गई।

प्रतिवर्ष हो रहीं 10 लाख मौतें... वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट पर कांग्रेस हुई हमलावर, मोदी सरकार से पूछे सवाल

-वायु प्रदूषण पर आधारित है रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बढ़ते प्रदूषण को लेकर वर्ल्ड बैंक की हालिया रिपोर्ट के बाद सियासत तेज हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में वायु प्रदूषण के कारण हर साल करीब 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो रही है। साथ ही इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर कहा, कि आखिर मोदी सरकार कब तक सच्चाई से मुंह मोड़ती रहेगी। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड बैंक की यह रिपोर्ट 'ए ब्रीथ ऑफ चेंज' शीर्षक से जारी की गई है, जो इंडो-गैंगेटिक मैदानों और हिमालय की तलहटी में वायु प्रदूषण की स्थिति पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस क्षेत्र में हर साल लगभग 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो रही है और क्षेत्रीय जीडीपी का करीब 10 प्रतिशत आर्थिक नुकसान

हो रहा है।

जयराम रमेश ने कहा कि यह रिपोर्ट व्यापक, तथ्यात्मक और सबूतों पर आधारित है। इसमें कोयला आधारित पावर प्लांट्स के उत्सर्जन मानदंडों को सख्ती से लागू करने और सबसे पुरानी व प्रदूषणकारी इकाइयों को तेजी से बंद करने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा रिपोर्ट में शहर-केंद्रित योजनाओं से आगे बढ़कर कानूनी रूप से सशक्त एयरशेड-आधारित गवर्नेंस अपनाने पर जोर दिया गया है।

कांग्रेस नेता ने यह भी बताया कि रिपोर्ट में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के विस्तार और इलेक्ट्रिफिकेशन, वाहन उत्सर्जन मानकों को सख्त करने और ईंधन गुणवत्ता में सुधार की जरूरत पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में एक्यूआई से जुड़ा स्वास्थ्य संकट लगातार गहराता जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस लगातार मांग कर रही है कि वायु प्रदूषण (नियंत्रण और रोकथाम) अधिनियम, 1981 और नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स (नाक्स), 2009 की समीक्षा की जाए, खासकर पीएम 2.5 पर फोकस के साथ।

इसके साथ ही कांग्रेस ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) के बजट और भौगोलिक दायरे को बड़े स्तर पर बढ़ाने, प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए पीएम 2.5 को मानक बनाने और बिना किसी छूट या ढील के वायु प्रदूषण से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग की है।

अलीगढ़ स्टेशन पर बम की सूचना से हड़कंप, दिल्ली-पटना राजधानी एक्सप्रेस की हुई जांच पड़ताल

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर बीती रात उस वक्त भारी अफरा-तफरी मच गई जब देश की प्रीमियम ट्रेनों में शुमार दिल्ली-पटना राजधानी एक्सप्रेस (तेजस रेक) को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस सनसनीखेज सूचना के बाद सुरक्षा एजेंसियां तत्काल हाई अलर्ट पर आ गईं और करीब 31 मिनट तक पूरा रेलवे स्टेशन परिसर और जिला प्रशासन गहरे तनाव और दहशत के साये में रहा। घटना की शुरुआत तब हुई जब पुलिस कंट्रोल रूम को एक गुमनाम फोन आया, जिसमें कॉल करने वाले ने बेहद गंभीर दावा किया कि दिल्ली से पटना की ओर जा रही राजधानी तेजस एक्सप्रेस में विस्फोटक रखा गया है। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस को अलर्ट मोड पर डाल दिया गया। ट्रेन उस समय अलीगढ़ क्षेत्र के करीब से गुजर रही थी, जिसे सुरक्षा कारणों से तुरंत अलीगढ़ स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर रुकवाया गया। ट्रेन के रुकते ही भारी संख्या में पुलिस बल और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों ने मोर्चेबंदी कर ली। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीमों ने ट्रेन के एक-एक कोच, पैंट्री कार और टॉयलेट की गहन तलाशी ली। इस दौरान ट्रेन में सवार सैकड़ों यात्रियों और उनके सामान को भी पूरी तरह जांचा गया। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत और बारीकी से की गई जांच के बाद अधिकारियों ने पुष्टि की कि ट्रेन में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला है। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह केवल एक होक्स कॉल यानी फर्जी धमकी थी। हालांकि तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन रेलवे प्रशासन ने कोई जोखिम नहीं लिया और ट्रेन को कड़ी सुरक्षा निगरानी के बीच पटना के लिए रवाना किया गया। साथ ही पटना के रेलवे अधिकारियों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। इस फर्जी कॉल ने न केवल प्रशासन की नींद उड़ा दी, बल्कि देश की आधुनिक और लग्जरी तेजस-राजधानी जैसी ट्रेनों की सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन तैयारियों को लेकर एक बार फिर गंभीर चर्चा छेड़ दी है।

आरजेडी की 25 जनवरी को होने जा रही बड़ी बैठक, तेजस्वी यादव को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी)। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अहम बैठक 25 जनवरी को पटना में आयोजित होने जा रही है। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद यह पार्टी की पहली बड़ी बैठक मानी जा रही है, जिसमें संगठन और नेतृत्व से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में तेजस्वी यादव को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

सूत्रों का कहना है कि बैठक में तेजस्वी यादव को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर मुहर लग सकती है। इसकी मुख्य वजह राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बढ़ती उम्र और उनका अस्वस्थ रहना बताया जा रहा है। हालांकि अभी भी पार्टी के अधिकांश अहम फैसलों में तेजस्वी की भूमिका केंद्रीय बनी हुई है, लेकिन औपचारिक तौर पर उन्हें नेतृत्व सौंपने की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, कार्यकारिणी की बैठक में विधानसभा चुनाव के दौरान कथित भीतरघात करने वाले नेताओं पर भी कार्रवाई का फैसला लिया जा सकता है। चुनाव में अपेक्षाकृत खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी नेतृत्व संगठन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों की समीक्षा कर रहा है। माना जा रहा है कि अनुशासनहीनता और संगठनात्मक लापरवाही को लेकर सख्त रुख अपनाया जा सकता है। तेजस्वी यादव विदेश यात्रा से लौटने के बाद पूरी तरह से सक्रिय हो गए हैं। बीते गुरुवार और शुक्रवार को उन्होंने अपने पटना स्थित आवास पर लगातार दो दिनों तक पार्टी नेताओं के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों में संगठन की मजबूती, विस्तार, बूथ स्तर पर सक्रियता और बिहार के मौजूदा राजनीतिक हालात पर विस्तार से चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि तेजस्वी जल्द ही राज्यव्यापी बिहार यात्रा पर निकल सकते हैं, जिस पर भी कार्यकारिणी की बैठक में अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में राजद को करारी हार का सामना करना पड़ा था। पार्टी केवल 25 सीटों पर सिमट गई थी, जबकि तेजस्वी यादव महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे थे।

संबित पात्रा ने बताया ईडी छापे से क्यों घबरा रहीं हैं सीएम ममता बनर्जी

-बांग्लादेशी-रोहिंग्याओं को पैसे लेकर नागरिकता देने का गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने जहां एक ओर गंभीर आरोप लगाए हैं, वहीं भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि ममता बनर्जी बांग्लादेशी-रोहिंग्याओं को नागरिकता दे रही हैं इसलिए ईडी के छापों से घबरा रही हैं। दरअसल नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि ममता बनर्जी 10 हजार रुपये लेकर बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को भारतीय नागरिकता दिला रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य और देश के करोड़ों रुपए इसी अवैध गतिविधि में खर्च किए जा रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने शनिवार को आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, कि बांग्लादेशी-रोहिंग्याओं को पैसे लेकर नागरिकता देने का काम कर रहीं हैं, इसी वजह से ममता बनर्जी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई से घबरा गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आई-पेक दफ्तर पर ईडी की छापेमारी के दौरान तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोगों ने फाइलें जबरन छीनकर ले जाने की कोशिश की।

संबित पात्रा ने चेतावनी देते हुए कहा कि ममता बनर्जी बंगाल को बांटकर चुनाव नहीं जीत सकतीं। भाजपा प्रवक्ता ने हाल ही में मुर्शीदाबाद में हुए प्रदर्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-12 को ब्लॉक किया गया, रेल सेवाएं रोकी गईं और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया।

यहां पर संबित पात्रा ने सवाल उठाया कि क्या मुर्शीदाबाद भारत का हिस्सा नहीं है? उन्होंने आरोप लगाया कि जब ट्रेनें जलाई जा रही थीं, तब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे अल्पसंख्यकों का गुस्सा बताकर सही ठहराने की कोशिश की। संबित पात्रा ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर भी ममता सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया देश के कई राज्यों में चल रही है और संसद में इस पर चर्चा भी हो चुकी है, लेकिन बंगाल में मुख्यमंत्री असंवैधानिक और हिंसक तरीकों से इसे रोकने का प्रयास कर रही हैं। संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने बीएलओ अशोक दास की आत्महत्या का मामला उठाते हुए कहा कि टीएमसी की धमकियों से परेशान होकर अशोक दास ने आत्महत्या कर ली। पात्रा ने दावा किया कि अशोक दास की पत्नी ने तृणमूल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

संबित पात्रा ने कहा, कि जो बंगाल कभी 'सोनार बांग्ला' के नाम से जाना जाता था, वह आज 'रक्त-रंजित बांग्ला' बनता जा रहा है। टीएमसी नेता मोनिरुल इस्लाम के बयान पर संबित पात्रा ने कहा कि यह मामला राम-रहीम का नहीं, बल्कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीमा सुरक्षा बल ने कई बार पत्र लिखे और बैठकें कीं, लेकिन बंगाल सरकार ने सहयोग नहीं किया। भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन तक नहीं दी जा रही। भाजपा ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस का इरादा बंगाल को कमजोर कर उसे बांग्लादेश से जोड़ने का है।

ईरान से स्वदेश लौटे छात्रों ने बताई आप बीती कहा- डर में रहे घर पर खैरियत भी नहीं बता पाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में जारी व्यापक सरकार-विरोधी प्रदर्शनों और अस्थिरता के बीच भारतीय छात्रों और नागरिकों का स्वदेश लौटने का सिलसिला शुरू हो गया है। देर रात दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जब भारतीय छात्रों का जत्था उतरा, तो उनके चेहरों पर घर पहुंचने की खुशी और ईरान में बिताए गए खौफनाक दिनों का तनाव साफ झलक रहा था। तेहरान, अराक, कौम, शिराज और मशहद जैसे प्रमुख शहरों से लौटे इन छात्रों ने वहां के जो हालात बयां किए हैं, वे रूह कंपा देने वाले हैं। छात्रों के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान सहित कई बड़े शहरों की सड़कों पर भारी संख्या में सुरक्षाबल गश्त कर रहे हैं, बाजार पूरी तरह बंद हैं और आम नागरिक डर के साए में अपने घरों में कैद रहने को मजबूर हैं।

तेहरान मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस की छात्रा जोया सैय्यद ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि वहां देखते ही देखते हालात इतने बिगड़ गए कि भविष्य धुंधला नजर आने लगा। सबसे बड़ी चुनौती संचार के साधनों का ठप होना थी, इंटरनेट और फोन सेवाएं बार-बार बंद होने के कारण छात्र भारत में अपने परिजनों को यह भी नहीं बता पा रहे थे कि वे सुरक्षित हैं या नहीं। वतन वापसी के बाद जोया और उनके परिवार ने राहत

की सांस ली है, लेकिन अब उन्हें अपनी पढ़ाई और दोबारा ईरान लौटने की अनिश्चितता सता रही है। इसी तरह आमिर नामक छात्र ने बताया कि बड़े शहरों में अघोषित कर्फ्यू जैसे हालात हैं और जरूरी वस्तुओं की किल्लत शुरू हो गई है। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई, जो वहां बेहद दहशत में हैं।

हवाई अड्डे का नजारा बेहद भावुक कर देने वाला था, जहां कई हफ्तों से अपने बच्चों की सलामती की दुआ कर रहे अभिभावकों की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। अली नकवी के नेतृत्व में लौटे एक समूह का स्वागत फूलों की मालाओं से किया गया। इस कठिन समय में भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा छात्रों के लिए एक बड़ा संबल बना। छात्रों ने बताया कि जब वे वहां से निकल रहे थे, तब जगह-जगह तैनात ईरानी सुरक्षाकर्मी भारतीय तिरंगा देखकर उनकी मदद के लिए आगे आ रहे थे। हालांकि, विश्वविद्यालयों को छावनी में तब्दील कर दिया गया है और अफवाहों के कारण वहां का माहौल और भी तनावपूर्ण हो गया है। उत्तर प्रदेश के अमरोहा की रहने वाली छात्राएं युसरा और अर्श भी सुरक्षित अपने घर पहुंच गई हैं। उन्होंने बताया कि महज दो महीने पहले ही उन्होंने डॉक्टर बनने का सपना लेकर एमबीबीएस में प्रवेश लिया था, लेकिन हालात ने उन्हें लौटने पर मजबूर कर दिया। वहीं, गाजियाबाद के मर्चेंट नेवी इंजीनियर केतन मेहता जैसे कई अन्य भारतीय अब भी वहां फंसे हुए हैं, जिनकी वापसी की उम्मीदें अब बढ़ गई हैं। हालांकि छात्रों का कहना है कि सभी भारतीय फिलहाल सुरक्षित हैं, लेकिन वहां की अनिश्चितता ने उनके करियर पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। फिलहाल, भारत सरकार और अधिकारी ईरान में मौजूद अन्य भारतीयों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

2026 गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी नई परंपरा, नदियों के नाम पर होंगी दर्शक दीर्घाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2026 की गणतंत्र दिवस परेड में एक नई परंपरा देखने को मिलेगी, इसमें दर्शकों के बैठने की जगहों को थीम के हिसाब से बदला गया है। परेड के रास्ते में बनी बैठने की जगहों को पहली बार नंबरों से नहीं पहचाना जाएगा। बल्कि लोगों के बैठने की जगह का नाम देश की प्रमुख नदियों के नाम पर होगा। इन दीर्घाओं का नाम यमुना, ब्यास, ब्रह्मपुत्र, गंगा, तीस्ता, चंबल, सतलुज, सोन, चिनाब, सोन, रावी, वैगई, पेरियार, गंडक, पेन्नार, नर्मदा, घाघरा, गोदावरी, कृष्णा, महानदी, सिंधु, कोसी, झेलम और कावेरी जैसी नदियों के नाम पर रखा गया है। यह वे नदियां हैं, जो देश के कई क्षेत्रों और राज्यों से होकर गुजरती हैं और लोकल आबादी के लिए जीवनरेखा का काम करती हैं। सदियों से इन नदियों ने देश की सभ्यता, अर्थव्यवस्था और संस्कृति को भी आकार दिया है।

इस गणतंत्र दिवस पर ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाले लड़ाकू विमान भी कर्तव्य पथ पर दिखाई देने वाले है। मुख्य आकर्षणों में से एक स्पेशल सिंदूर फॉर्मेशन होगा जो

ऑपरेशन की सफलता और संकल्प का प्रतीक होगा। राफेल, सुखोई, जगुआर और मिग-29 लड़ाकू विमानों सहित एक दर्जन से ज्यादा लड़ाकू विमान कर्तव्य पथ के ऊपर फॉर्मेशन में उड़ान भरने वाले है। इसके अलावा, लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और ट्रांसपोर्ट विमानों वाले कई अन्य फॉर्मेशन भी इस भव्य हवाई प्रदर्शन का हिस्सा लेने वाले है।

पहली बार, भारतीय सेना की नई भैरव बटालियन कर्तव्य पथ पर मार्च करेगी और सुप्रीम कमांडर को सलामी देगी। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कारगिल से इन नई लाइट कमांडो बटालियनों के गठन की घोषणा की थी। अधिकारियों के अनुसार, पांच भैरव बटालियन पहले ही बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि सेना छह महीने के भीतर कुल 25 ऐसी बटालियन बनाने की योजना बना रही है। प्रत्येक बटालियन में करीब 250 बेहतरीन सैनिक होते हैं, जिन्हें तेज, अचानक और उच्च प्रभाव वाले ऑपरेशनों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

पाक ने रची नापाक साजिश, इस्लामिक स्टेट के नाम से कश्मीर में कराना चाहता है हमले

-इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य और खुफिया अधिकारी कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने के लिए साजिश रची है। खुफिया एजेंसियों ने गणतंत्र दिवस से पहले एक रिपोर्ट के जरिए इसकी बात कही है। आईएसआई ने आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को निर्देश दिया है कि वह अपने फिदायीन दस्ते को इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रॉविंस के नाम के साथ जोड़कर घाटी में हमले करे। इस हाइब्रिड मॉड्यूल का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को बेकसूर साबित करना और भारत के खिलाफ प्लॉसिबल डिनाइबिलिटी बनाए रखना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य और खुफिया अधिकारी कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद अहसान नवाज भी इसमें शामिल हैं जो पाकिस्तान सेना के एक्स कोर के प्रमुख हैं। ब्रिगेडियर फाईक अयूब आईएसआई का पीओके सेक्टर कमांडर है। रिपोर्ट के मुताबिक इन अधिकारियों ने लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद को अपनी रणनीति बदलने और यह तय करने का निर्देश दिया है कि किसी भी हमले में पाकिस्तान की सीधी भागीदारी के सबूत न मिलें।

खुफिया सूत्रों के मुताबिक 12 सदस्यीय यह फिदायीन दस्ता कश्मीर के तीन प्रमुख जिलों में सक्रिय हो चुका है। उनमें बडगाम, किश्तवाड़ और श्रीनगर शामिल हैं, जो कि भौगोलिक और रणनीति रूप से अहम हैं। लश्कर का वरिष्ठ कमांडर अबू हुरैरा फिदायीन दस्ते का नेतृत्व कर रहा है। यह 2021 से सक्रिय है। मोहम्मद उमर खरगोश डिप्टी कमांडर है और हुरैरा का मुख्य सहयोगी भी है। अबू दुजाना का भी इसमें शामिल है, जिसने हाल ही में घुसपैठ की है। वह आत्मघाती हमलों के लिए प्रशिक्षित है।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि पाकिस्तान जानबूझकर अपने समर्थित आतंकवाद को इस्लामिक स्टेट के नाम से प्रमोट कर रहा है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला है पहचान छुपाना। यदि हमला आईएसकेपी के नाम पर होता है, तो वैश्विक समुदाय को यह लगेगा कि यह एक अंतरराष्ट्रीय जिहादी नेटवर्क का काम है न कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का। हाइब्रिड मॉड्यूल के कारण जांच एजेंसियों के लिए मुख्य साजिशकर्ताओं तक पहुंचना कठिन हो जाता है। इस इनपुट के बाद मध्य और दक्षिण कश्मीर में निगरानी बढ़ा दी गई है। सुरक्षा बल अब छोटे-छोटे सेल्स में बंटे इन आतंकियों को ट्रैक करने के लिए तलाशी अभियान चला रहे हैं।